RNI .NO. MPBIL / 2013/ 54381

संपादकः- डॉ. देवेन्द्र मालवीय

12 वर्ष

दैनिक

सद्भावना पाती

...प्राणियों में सद्भावना हो...

www.sadbhawnapaati.com Email: sadbhawnapaatinews@gmail.com इंदौर, शनिवार ●27 जुलाई , 2024 वर्षः-12 अंक -90 मूल्य -1 रु. कुल पृष्ठ - 8

कहा-हथियारों के आगे भी होता है हौसला वही दिलवाता है जीत

भारतीय सेना, दुनिया की बेहतरीन सेनाओं में से एकः सीएम

● सीएम बोले-कारगिल की विजय,भारतीय सेना के शौर्य की पहचान ● शौर्य स्मारक में भारतीय सेना के टी-55 टैंक का किया लोकार्पण

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कारगिल विजय दिवस और रजत जयंती वर्ष पर भोपाल के शौर्य स्मारक में भारत माता की प्रतिमा पर नमन किया। डॉ. यादव ने शौर्य स्तंभ पहुंचकर शहीदों को नमन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शौर्य स्मारक परिसर में स्थापित सेना के टी-55 टैंक का लोकार्पण भी किया। शौर्य स्मारक में अब आमजन भी इस टैंक को देख सकेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने द्रोणाचार्य सभागार में कारगिल युद्ध में शहीद हुए सैनिकों को श्रद्धांजलि दी और कार्यक्रम को संबोधित किया। राजधानी भोपाल में कारगिल विजय दिवस पर हुए मुख्य कार्यक्रम में आज शौर्य स्मारक में मुख्यमंत्री डॉ. यादव के पहुंचने पर एनसीसी कैडेट्स ने गार्ड्स ऑफ ऑनर दिया। जनरल ऑफीसर कमांडिंग सुदर्शन चक्र कोर, प्रीतपाल

सिंह, एनसीसी के मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ के अतिरिक्त महानिदेशक मेजर जनरल अजय कुमार के साथ ही 21 कोर भोपाल के अनेक अधिकारी भी शामिल हुए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सेना एवं एनसीसी के कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि कारगिल विजय से हमारी सेना ने एक नया इतिहास रचा।

यह विजय भारतीय सेना के शौर्य और पराक्रम की पहचान है। युद्धों में कई बार हथियारों के आगे सेना का हौसला महत्वपूर्ण होता है, जो जीत की ओर ले जाता है। पराक्रम भारत की पहचान रही है। दुश्मन हमारे देश में विभिन्न कारणों और तरीकों से नष्ट- भ्रष्ट करने के उद्देश्य से आते हैं, लेकिन हमारे शौर्य के आगे वे टिक नहीं पाते। मिस्र और रोम जैसी पुरानी सभ्यताएं खत्म हो गईं। लेकिन भारत की हस्ती मिटती नहीं है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्वतंत्रता के पश्चात भारत और पाकिस्तान दो राष्ट्र बने। आज दोनों राष्ट्रों की तुलना करें, तो हम देखते हैं कि भारत की अच्छाइयां अलग स्थान दिलाती हैं। दोनों देशों के बीच 1965 और 1971 के बाद 1999 में युद्ध हुए। जब अटल जी प्रधानमंत्री थे, पड़ोसी ने आंखों में धूल झोंकी। भारत पड़ोसी धर्म का निर्वहन कर रहा था। हमने सदैव ही अपनी सीमाओं और मर्यादा को समझा है। यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अतीत को देखते हुए समझा है कि पड़ोसी कैसे हैं और उनसे किस तरह व्यवहार करना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कारगिल युद्ध में पाकिस्तान की पराजय हुई। आज भारत शत्रु के दुस्साहस का उत्तर उसके घर में घुसकर दे सकता है। भारतीय सेना दुनिया की बेहतरीन सेनाओं में से एक है, जो दुश्मन से निपटना जानती है। कारिगल शहीद सैनिकों को राष्ट्र कभी नहीं भुलाएगा।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली के बाद अब हरियाणा पर 'एएपी' की है नजर

चंडीगढ़ (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी ने हरियाणा के लिए चुनाव प्रचार अभियान का ऐलान कर दिया है। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के अलावा पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल हरियाणा में प्रचार का जिम्मा संभालेंगी। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ

प्रदेश उपाध्यक्ष अनुराग ढांडा ने कहा कि आम आदमी पार्टी अगले 15 दिनों में 45 बड़ी रैलियां करने जा रही है। आम आदमी पार्टी 15 दिनों में हर दो विधानसभा में एक चुनावी रैली करेगी। जिसमें पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान, आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल, राज्यसभा सांसद संजय सिंह और राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन) डॉ. संदीप पाठक और प्रदेश की पूरी लीडरशिप इस अभियान में शामिल होगी।

पाकिस्तानी सेना की जेल भेजे जा सकते हैं इमरान

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को इस बात का अंदेशा है कि उनको जेल से निकालकर आर्मी के हवाले किया जा सकता है। इसी को देखते हुए पाकिस्तान पीटीआई नेता इमरान खान ने

लाहौर हाईकोर्ट में एक अर्जी दाखिल की है। इसमें उन्होंने कहा है कि उनको 9 मई की हिंसा के मामले में सैन्य हिरासत में सौंपे जाने की संभावना है। ऐसे में कोर्ट इस पर ध्यान दे और ऐसी किसी कोशिश को रोके। उन्होंने कहा कि बंदियों को नागरिक अदालतों के अधिकार क्षेत्र में ही रहना चाहिए। इमरान खान के वकील उजैर करामत ने लाहौर हाईकोर्ट में उनकी ओर से ये अर्जी दाखिल की है।

ओलंपिक से पहले फ्रांस के रेलवे नेटवर्क पर हमला

● पेरिस जाने वाली 3 हाईस्पीड रेलवे लाइनों पर आगजनी-तोड़फोड़

पेरिस (एजेंसी)। फ्रांस में ओलंपिक गेम्स की ओपनिंग सेरेमनी से करीब 10 घंटे पहले शुक्रवार को पेरिस में ट्रेन नेटवर्क पर हमला हुआ है। पेरिस के समयानुसार, सुबह 5.15 मिनट पर कई रेलवे लाइनों पर तोड़फोड़ और आगजनी की खबर सामने आई है। रिपोर्ट के मुताबिक, हमले के आधे घंटे के अंदर पेरिस से आने-जाने वाली कई ट्रेनों को रद्द कर

दिया गया है। कई ट्रेनें 90 मिनट तक देरी से चल रही हैं। हमले की वजह से करीब 8 लाख यात्री स्टेशनों पर फंसे हुए हैं। फ्रांस के सरकारी रेलवे कंपनी ने सभी पैसेंजर्स के लिए चेतावनी जारी की है। उन्हें स्टेशन न जाने की सलाह दी गई है। कंपनी ने अपने सैकड़ों कर्मियों को ट्रेन व्यवस्था दुरुस्त करने के काम पर लगा दिया है। वहीं हमले को देखते हुए ब्रिटेन ने अपने नागरिकों के लिए ट्रैवल एडवाइजरी जारी की है।

अग्निवीर योजना पर

विपक्ष झूठ फैला रहा इसका मकसद सेना को युवा बनाना

करगिल में पीएम मोदी ने विपक्ष पर बोला हमला,खड़गे ने कहा-पीएम फिर झूठ बोल रहे

करगिल (एजेंसी)। कारगिल विजय दिवस की 25वीं वर्षगांठ पर शुक्रवार को प्रधानमंत्री मोदी ने लद्दाख में 1999 की जंग के नायकों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने करीब 20 मिनट के संबोधन में पाकिस्तान, आतंकवाद, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, अग्निपथ योजना और विपक्ष पर बात की। प्रधानमंत्री ने कहा- डिफेंस सेक्टर में रिफॉर्म्स के लिए भारतीय सेनाओं की सराहना करता हूं। उन्होंने कई साहसी फैसले लिए। इसमें अग्निपथ योजना भी शामिल है। दशकों तक संसद में सेनाओं को युवा बनाने पर चर्चा होती रही है। लेकिन हमने इस पर काम किया। कुछ लोगों ने इसे राजनीति का विषय बना दिया। प्रधानमंत्री के बयान पर कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा-मोदी कह रहे हैं कि उनकी सरकार ने सेना के कहने पर अग्निपथ योजना लागू की। यह झूठ है। यह सेना का अपमान है। यह काफी दुर्भाग्यपूर्ण है कि पीएम मोदी कारगिल विजय दिवस के मौके पर ओछी राजनीति कर रहे हैं। इससे पहले किसी भी प्रधानमंत्री ने ऐसा नहीं किया। पूर्व आर्मी चीफ (रिटायर्ड) जनरल एमएम नरवणे ने ऑन रिकॉर्ड कहा है कि अग्निपथ योजना में 4 सालों की सेवा के बाद 75 फीसदी सैनिकों को रखा जाएगा और 25 फीसदी रिटायर्ड हो जाएंगे, लेकिन मोदी सरकार ने इससे उल्टा किया है। योजना को तीनों सेनाओं पर जबरदस्ती लागू किया गया। प्रधानमंत्री ने कहा- भारत कारगिल युद्ध से पहले शांति के प्रयास कर रहा था। बदले में पाकिस्तान ने अपना अविश्वासी चेहरा दिखाया। लेकिन सच के सामने असत्य और आतंक की हार हुई। पाकिस्तान ने अतीत में जितने भी प्रयास किए, उसे मुंह की खानी पड़ी लेकिन उसने अपने इतिहास से कुछ नहीं सीखा है। वो आतंकवाद के सहारे प्रॉक्सी वॉर के सहारे अपने आप को प्रासंगिक बनाए रखने का प्रयास कर रहा है। लेकिन आज जब मैं उस जगह से बोल रहा हूं, जहां आतंक के आकाओं को मेरी आवाज सीधे सुनाई पड़ रही है।

भाजपा ने 2 राज्यों के प्रदेश अध्यक्ष बदले

● राजस्थान में मदन राठौर और बिहार में दिलीप कुमार को मिली जिम्मेदारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान और बिहार के लिए भाजपा ने गुरुवार की देर रात नए प्रदेश अध्यक्षों के नामों की घोषणा की। पार्टी ने बिहार सरकार में मंत्री दिलीप कुमार जायसवाल को बिहार भाजपा की जिम्मेदारी सौंपी है। इससे पहले यह जिम्मा उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के पास थी। वहीं राजस्थान से राज्यसभा सांसद मदन राठौर को पार्टी ने राजस्थान का चीफ बनाया है। इससे पहले लोकसभा सांसद सीपी जोशी राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष पद पर थे। 24 जुलाई को ही उन्होंने अमित शाह से दिल्ली में मुलाकात करने के बाद इस्तीफा दिया था। इसके अलावा भाजपा ने छह राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रभारियों को बदला है। भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने सभी नामों की घोषणा की।

बंगाल को बांटना चाहते हैं...

नीति आयोग की बैठक से पहले ममता के तल्ख तेवर

● बोलीं-मैं करूंगी विरोध,दिल्ली रवाना होने से पहले बोला बड़ा हमला

● बंगाल बीजेपी नेताओं की बयानबाजी पर ममता बनर्जी का पलटवार

कोलकाता/नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में तृणमूल सांसदों के बजट के मुद्दे पर तीखे विरोध के बाद अब पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी मैदान में

आ गई है। ममता बनर्जी ने नीति आयोग की बैठक में मौजूद रहने क संकेत देते हुए कहा है कि मैं नीति आयोग की बैठक में बंगाल के साथ किए जा रहे राजनीतिक भेदभाव का विरोध करूंगी। उनके मंत्रियों और बीजेपी नेताओं का रवैया ऐसा है कि वे बंगाल को बांटना चाहते हैं। आर्थिक नाकेबंदी के साथ-साथ वे भौगोलिक नाकेबंदी भी करना चाहते हैं। झारखंड, बिहार और बंगाल को बांटने के लिए अलग-अलग नेता अलग-अलग बयान दे रहे हैं। हम इसकी निंदा करते हैं। हम अपनी आवाज बुलंद करना चाहते हैं और ऐसा करने के लिए मैं वहां मौजूद रहूंगी। ममता ने पश्चिम बंगाल की अनदेखी का आरोप लगाया।

झमाझम बारिश से बेहाल हुए महाराष्ट्र और गुजरात

● महाराष्ट्र के पुणे में 57 साल बाद 114 एमएम बारिश ● गुजरात के 10 जिलों में बाढ़, सूरत में 1 लाख लोग फंसे ● एमपी-यूपी और छत्तीसगढ़ में भी बारिश का सितम जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र के कई जिलों में तेज बारिश के कारण बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। राज्य के 18 जगहों पर एनडीआरएफ और मुंबई, ठाणे, रायगढ़, पालघर, रत्नागिरी, सिंधुदुर्ग, सातारा और सांगली में एसडीआरएफ की तैनाती की गई है। पुणे में 24 घंटे में 114 मिमी बारिश हुई। यह 66 साल में तीसरा हाईएस्ट रहा। इससे पहले 19 जुलाई 1958 को 24 घंटे में 130.4 मिमी और 27 जुलाई 1967 को 117.9 मिमी बारिश दर्ज की गई थी। यहां रेड अलर्ट जारी किया गया है। स्कूलों की छुट्टी कर दी गई है। इसके अलावा रायगढ़ और रत्नागिरी में मुंबई यूनिवर्सिटी के कॉलेजों में परीक्षाएं स्थगित कर दी गई हैं। उधर, गुजरात में तेज बारिश के कारण नदियां उफान पर हैं। यहां 10 से ज्यादा जिलों में बाढ़ जैसे हालात हैं। सूरत में 24 घंटे में 5 इंच बारिश से मीठी और काकरा खाड़ी नदियां ओवरफ्लो हो रही हैं। यहां बाढ़ से करीब 1 लाख लोग प्रभावित हुए हैं।

वहीं, 955 लोगों को सुरक्षित जगहों पर शिफ्ट किया गया है। इसके अलावा, दिल्ली में देर रात और सुबह तेज बारिश हुई। इससे सड़कों पर पानी भर गया। मुख्य मार्गों में जाम की स्थिति भी देखने को मिली। मौसम विभाग ने 18 राज्यों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है।

राजधानी में झूमकर बरसे बदरा,सड़कों पर भरा पानी

बड़ा तालाब में बढ़ा पानी,1663.30 फीट पहुंचा लेवल

भोपाल। इस मानसूनी सीजन में पहली बार पूरा भोपाल एकसाथ तरबतर हो रहा है। गुरुवार को करीब 7 घंटे लगातार बारिश होने के बाद शुक्रवार सुबह से फिर पानी गिर रहा है। कभी तेज तो कभी रिमझिम बारिश हो रही है। मौसम विभाग ने यहां भारी बारिश होने का अलर्ट जारी किया है। भोपाल में अब तक 20 इंच से ज्यादा बारिश हो चुकी है। पिछले 24 घंटे में भोपाल में आधा इंच से ज्यादा बारिश हुई है। कैचमेंट एरिया और कोलांस नदी के लेवल से ऊपर बहने के कारण बड़ा तालाब में पानी का लेवल बढ़ रहा है। शुक्रवार सुबह जलस्तर 1663.30 फीट तक पहुंच गया। इसका फुल टैंक लेवल 1666.80 फीट है। यानी, साढ़े 3 फीट पानी आते ही तालाब फुल हो जाएगा। भोपाल में जारी तेज बारिश की वजह से कई जगहों पर जलभराव की स्थिति बन गई है। ऐसे में शुक्रवार सुबह महापौर मालती राय नगर निगम के कंट्रोल रूम पर निरीक्षण करने पहुंची। यहां उन्होंने जलभराव के संबंध में अधिकारियों से चर्चा भी की। कोलांस नदी का पानी बड़ा तालाब में पहुंचता है।

विधायकों से मीटिंग कर लिया यूपी हार का 'फीडबैक'

पूरा 'होमवर्क' कर मोदी से मिलने दिल्ली पहुंचे सीएम योगी

योगी ने विधायकों से लिया फीडबैक और मंडलवार की बैठक

लखनऊ (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव में भाजपा की हार के बाद से उत्तर प्रदेश में सियासी हलचल मची हुई है। बीते कुछ दिनों से सरकार से लेकर भाजपा संगठन तक में तमाम तरह की घटनाओं को देखते हुए अटकलों का बाजार गर्म रहा। डिप्टी सीएम केशव मौर्य भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी के साथ दिल्ली होकर भी आ गए।

इस बीच उनके बागी तेवर वाले बयान भी चर्चा में रहे। अब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी शुक्रवार को दिल्ली रवाना हो गए हैं। माना जा रहा है कि वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात के अलावा भाजपा की संगठन बैठक में भी हिस्सा ले सकते हैं। इससे पहले योगी उत्तर प्रदेश में मंडलवार विधायकों से मुलाकात कर चुके हैं। योगी के अलावा, यूपी के दोनों डिप्टी सीएम केशव मौर्य और बृजेश पाठक, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी भी दिल्ली पहुंचे हैं। ये सभी लोग संगठन की मीटिंग में हिस्सा लेंगे। इन सारी कड़ियों को जोड़ने के बाद ऐसे कयास लगने तेज हो गए हैं कि लोकसभा में हार के बाद बीजेपी सरकार में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है और जल्दी ही कोई बड़ा फैसला

आ सकता है। दरअसल, लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के भीतर असंतोष की अटकलें सामने आने लगी थीं।

योगी बोले-

जनप्रतिनिधियों हर बात सुनी जाएगी- प्रदेश के अफसरों के खिलाफ बढ़ती शिकायतों को लेकर सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जनप्रतिनिधियों की बात सर्वोपरि है। वह हर स्तर पर सुनी जाएगी। शासन से लेकर जिलों के अफसरों तक को इसके साफ निर्देश हैं। सभी को सकारात्मक सोच व छवि के साथ मिलकर काम करना होगा। बता दें कि लोकसभा चुनाव में हार के बाद लगातार प्रदेश नेतृत्व सवालों के घेरे में था। योगी आदित्यनाथ पर इस बात को लेकर दवाब था कि उनकी ही पार्टी के विधायक और मंत्री प्रदेश के अधिकारियों की मनमानी को लेकर शिकायत कर रहे थे। ऐसे में योगी के खिलाफ पार्टी के विधायकों में असंतोष की भी बातें चल रही थीं। केशव प्रसाद मौर्य के स्वर इस दौरान सबसे ज्यादा मुखर रहे। इस बीच शुक्रवार को योगी आदित्यनाथ को नीति आयोग की गवर्निंग काउंसिल की मीटिंग में हिस्सा लेने दिल्ली जाना था। योगी ने इससे पहले प्रदेश के विधायकों से फीडबैक लिया और मंडलवार बैठक कर उनकी बातें सुनीं और सभी शिकायतों के समाधान का आश्वासन भी दिया। माना जा रहा है कि योगी यहां पीएम मोदी से मुलाकात करेंगे।

प्रदेश बीजेपी के वरिष्ठ नेता प्रभात झा का निधन

● गुरुग्राम के अस्पताल में ली अंतिम सांस, पत्नी से इच्छा जताई थी-अंत्येष्टि जन्मस्थली पर हो

भोपाल। बीजेपी के सीनियर लीडर और मध्यप्रदेश के पूर्व अध्यक्ष प्रभात झा का निधन हो गया है। गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में आज सुबह 5 बजे उन्होंने अंतिम सांस ली। 67 वर्षीय झा लंबे समय से बीमार चल रहे थे। उनके बेटे अयत्न ने कहा कि अंतिम संस्कार शनिवार दोपहर 3 बजे बिहार के सीतामढ़ी जिले के कोरियाही गांव में होगा।

प्रभात झा को करीब 26 दिन पहले भोपाल के एक निजी अस्पताल से एयरलिफ्ट कर गुरुग्राम ले जाया गया था। प्रभात झा मूल रूप से बिहार के रहने वाले थे। उनका जन्म 4 जून 1957 को बिहार के दरभंगा के हरिहरपुर गांव में हुआ था।

वे परिवार के साथ मध्यप्रदेश के ग्वालियर आ गए थे। प्रारंभिक शिक्षा के बाद प्रभात झा ने ग्वालियर के पीजीवी कॉलेज से बीएससी, माधव कॉलेज से राजनीति शास्त्र में एमए और एमएलबी कॉलेज से एलएलबी की डिग्री ली। उनकी शादी रंजना झा से हुई थी। दो बेटे हैं। बड़े बेटे तुष्मुल और छोटे अयत्न झा हैं। शादी के बाद वे पत्रकारिता करने लगे। लंबे समय तक पत्रकारिता के बाद वे राजनीति में आए और बीजेपी के सदस्य बने। 8 मई 2010 से 16 दिसंबर 2012 तक बीजेपी के मध्यप्रदेश अध्यक्ष रहे। ने कई किताबें भी लिखी थीं।

प्रदेश पाती
दैनिक सद्भावना पाती
इंदौर, शनिवार 27 जुलाई , 2024

संक्षिप्त समाचार

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत रोपे गए 300 पौधे

सीहोर (निप्र)। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा पर्यावरण संरक्षण के उद्येश्य से एवं मां के सम्मान में एक पेड़ मां के नाम अभियान शुरू किया गया है। इस अभियान के तहत जिले के अनेक स्थानों पर अधिक से अधिक पौधरोपण के लिए अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। ÷एक पेड़ मां ने नाम÷ अभियान के तहत नगर पालिका द्वारा सीहोर के आरएके कृषि महाविद्यालय में पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष श्री प्रिंस राठौर, एसडीएम श्री तन्मय वर्मा, मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री भूपेंद्र कुमार दीक्षित, श्री सुदीप प्रजापति, आरएके महाविद्यालय के शिक्षक एवं छात्र-छात्राओं सहित सामाजिक संस्थाएं एवं अन्य जनप्रतिनिधियों द्वारा 300 पौधे रोपे गए।

एक प्रकरण में नगद इनाम की घोषणा

विदिशा (निप्र)। पुलिस अधीक्षक श्री दीपक कुमार शुक्ला के द्वारा फरार आरोपी के एक प्रकरण में सूचना देने वालो को दस हजार रूपए की नगद राशि देने की उद्घोषणा की है। सूचनाकर्ता चाहे तो उसका नाम गोपनीय रखा जाएगा। पुलिस अधीक्षक श्री शुक्ला के द्वारा जारी इनाम उदघोषणा आदेश में उल्लेख है कि थाना कोतवाली जिला विदिशा में दर्ज अपराध क्रमांक 451/2024 की फरार आरोपी मुस्कान पुत्री स्व. रणधीर सिंह राजपूत उम्र 24 साल निवासी मोहनगिरी विदिशा की सूचना देने वालो को दस हजार रूपए की नगद राशि इनाम देने की घोषणा की है।

डेयरी प्रोसेसिंग से संबंधित विज्ञान से अवगत हुई कन्या महाविद्यालय की छात्राएं

दिशा (निप्र)। राजमाता विजया राजे सिंधिया शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय विदिशा की मानक क्लब की छात्राओं को भारतीय मानक ब्यूरो भोपाल द्वारा गुरुवार को एक्स्पोजर विजिट के तहत ढोल खेड़ी स्थित सुंदर फूड्स एवं डेरी प्लांट विदिशा का विजिट कराया गया। इस विजिट में 15 से अधिक छात्राओं ने उत्साह पूर्वक भाग लिया। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉक्टर नीता पांडे ने छात्राओं को डेयरी प्लांट से संबंधित उपकरणो और प्रक्रियाओं को अच्छे से समझने के संदेश के साथ विजिट टीम को रवाना किया। डेयरी प्लांट के जनरल मैनेजर डॉक्टर विपिन कुमार सिंह ने डेयरी प्लांट के विभिन्न प्रोडक्शन क्षेत्र में छात्राओं का विजिट कराकर कच्चे दूध को कैसे प्रोसेस किया जाता है तथा छाछ, पनीर, बटर इत्यादि कैसे बनाया जाता है एवं इन पदार्थों का पैकेजिंग और मार्केटिंग कैसे किया जाता है इत्यादि के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। महाविद्यालय की सहायक प्राध्यापक डॉ विनीता प्रजापति एवं मानक क्लब के प्रभारी श्री राम आशीष यादव ने डेयरी प्रोसेसिंग से संबंधित विज्ञान को छात्राओं को समझाया तथा भारतीय मानक ब्यूरो भोपाल के प्रतिनिधि के तौर पर श्री अविनाश कथोरिया ने डेयरी पदार्थों के उत्पादन एवं पैकेजिंग से संबंधित मानकों को विस्तार से समझाया। छात्राओं को इस औद्योगिक भ्रमण से लाभ होगा।

हेपेटाइटिस बी एवं सी की जांच के लिए जांच शिविर आयोजित

सीहोर (निप्र)। राष्टीय वायरल हेपेटाइटिस बी एवं सी में पॉजिटिव पाए गए एवं लेफ्ट आउट होने वाले व्यक्तियों के लिए जिला चिकित्सालय सहित सभी विकासखण्डों में शिविरों का आयोजन किया जाएगा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि बी एवं सी जांच में पॉजिटिव पाए गए व्यक्तियों जिनका वायरल लोड टेस्ट नहीं किया गया है, उनका बेस लाईन टेस्ट सीबीसी, आरएफटी एवं एलएफटी किया जाएगा। इसके लिए आष्टा में 25 जुलाई को, जिला चिकित्सालय में 26 जुलाई को, इछावर में 27 जुलाई को, श्यामपुर में 29 जुलाई, भैरूंदा में 30 जुलाई एवं बुदनी में 31 जुलाई को जांच शिविर आयोजित किया जाएगा।

हाईकोर्ट ने मप्र सरकार को लगाई फटकार, 18 साल बाद महिला चिकित्सा अधिकारी को मिला पेंशन का हक

जबलपुर। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को फटकार लगाते हुए 18 साल पुराने मामले में महिला चिकित्सा अधिकारी को राहत दी है। महिला चिकित्सा अधिकारी डॉ. गीतांजलि को इस मामले में राहत मिली है। हाईकोर्ट के जस्टिस विवेक अग्रवाल ने महिला चिकित्सा अधिकारी को पेंशन राशि सहित अन्य लाभ प्रदान करने का आदेश जारी किया है। एकल पीठ ने राशि का भुगतान आठ प्रतिशत वार्षिक ब्याज के साथ करने के निर्देश भी दिए हैं।भोपाल के रचना नगर निवासी डॉ. गीतांजलि ने 2006 में याचिका दायर की थी। याचिका में बताया गया था कि वह राज्य बीमा सेवा में चिकित्सा अधिकारी के रूप में अगस्त 1989 में नियुक्त हुई थीं। उन्होंने 15 साल की सेवा पूरी करने के बाद स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति के लिए 10 मार्च 2006 को आवेदन करते हुए अपना त्यागपत्र दिया था। जवाब न मिलने पर उन्होंने 1 मई 2006 को पुनः विभाग को सूचित किया था।याचिकाकर्ता ने पेंशन नियम 42 के तहत 15 साल की सेवा अनिवार्य होने का हवाला दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि निर्धारित अवधि पूरी करने के बावजूद उन्हें पेंशन का लाभ नहीं दिया जा रहा था। राज्य सरकार ने जवाब में बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा सिविल सेवा संशोधित पेंशन नियम का गजट नोटिफिकेशन सात अप्रैल 2006 को प्रकाशित किया गया था। इसके अनुसार पेंशन के लिए 20 साल की सेवा अनिवार्य है। याचिकाकर्ता का आवेदन उस समय स्वीकार किया गया जब नया संशोधित नियम प्रभावी था, इसलिए वह पेंशन की हकदार नहीं थीं।

हाईकोर्ट ने लगाई फटकार

एकल पीठ ने सर्वोच्च न्यायालय के आदेश का हवाला देते हुए अपने निर्णय में कहा कि राज्य सरकार की कार्यवाही मनमानी नहीं बल्कि निष्पक्ष होनी चाहिए। याचिकाकर्ता ने जिस दिन आवेदन और त्यागपत्र दिया, उस दिन पूर्वव्यापी कानून प्रभावी था। एकल पीठ ने याचिका का निराकरण करते हुए महिला चिकित्सा अधिकारी को पेंशन राशि सहित अन्य लाभ प्रदान करने के आदेश जारी किए। राशि का भुगतान आठ प्रतिशत वार्षिक ब्याज के साथ करने के निर्देश दिए।

ट्रेन में चाय को लेकर मची भगदड़, दो की मौत, तीन घायल

सागर मध्य प्रदेश के सागर जिले के बीना से गुजर रही पुणे साप्ताहिक एक्सप्रेस ट्रेन में एक रेलवे वेंडर की लापरवाही से दो लोगों की जान चली गई, जबकि तीन यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए बताया जा रहा है कि ट्रेन की जनरल बोगी में चाय बेचने आए वेंडर का चाय के थर्मस का ढक्कन खुलने से गर्म चाय नीचे बैठे यात्रियों पर गिर गई। घटना के बाद बोगी में अफरा-तफरी मच गई। बताया जा रहा है कि इस दौरान हुई भगदड़ में दो यात्री ट्रेन से कूद गए। हादसे में दोनों की मौत हो गई है। हादसा बीना झांसी रेलखंड पर करौंदा तथा मुहासा रेलवे स्टेशनों के नजदीक हुआ।

गर्म चाय गिरने से बुरी तरह से झुलसे तीन यात्री, दो की मौत

बताया जा रहा है कि गोरखपुर से पुणे जाने वाली पुणे एक्सप्रेस सुबह करीब 6.30 बजे करोंदा स्टेशन के पास से गुजर रही थी। उसी समय एक वेंडर चाय बेचने के लिए आया, जिसने लापरवाही पूर्वक थर्मस को पकड़ा और उसका ढक्कन खुल गया। गर्म चाय जनरल कोच में नीचे सो रहे तीन यात्रियों के ऊपर गिर गई, जिससे वह बुरी तरह से झुलस गए। यात्रियों पर जैसे ही खौलती चाय गिरी कोच के अंदर अफरा तरफी का माहौल हो गया। इस भगदड़ के चलते बोगी के गेट पर खड़े दो यात्री जान बचाने के लिए ट्रेन से कूद गए। ट्रेन से नीचे गिरने पर दोनों के गंभीर चोटें आईं, जिससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद बोगी में सवार यात्रियों ने वेंडर को पकड़ लिया तथा ट्रेन के बीना स्टेशन पहुंचने पर जीआरपी के सुपुर्द कर दिया गया। इस हादसे में खौलती चाय गिरने से विश्वनाथ चौहान 27 वर्ष निवासी गोंडा मनीष कुमार उम्र 25 वर्ष निवासी महाराजपुर उत्तर प्रदेश दीपक 32 वर्ष निवासी गोरखपुर उत्तर प्रदेश झुलस गए। उन्हे बीना अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक इलाज के बाद एक गंभीर घायल को सागर रेफर किया गया। वहीं दो अन्य का बीना में ही इलाज किया जा रहा है।

अजीब टोटका : बारिश के लिए मंदसौर में गधों को थाली में सजाकर खिला रहे हैं गुलाब जामुन

मंदसौर मंदसौर में गधों को थाली में सजाकर गुलाब जामुन खिलाया गया. जब इसकी तस्वीरें और वीडियो सामने आए तो लोग देखकर हैरान रह गए दरअसल, मंदसौर में बारिश नहीं हो रही थी, लोग गर्मी से बेहाल और परेशान थे ऐसे में लोगों ने टोटका करने के लिए तय किया कि अगर बारिश हुई तो गधों को गुलाब जामुन खिलाएंगे. इसके लिए गधों को हल में जोतकर खेतों में जुताई भी की गई जिससे भगवान को खुश किया जा सके और बारिश हो गधों को जुतवाने से जब लोग खुश हुए और मनौती पूरी हो गई और मंदसौर में बारिश हुई तो फिर कल शुक्रवार को शहर के चौराहे पर गधों को लाया गया और उन्हें बकायदे थाली में सजाकर गुलाब जामुन खिलाया गया बता दें कि मंदसौर में आखिरकार लंबे इंतजार के बाद पानी गिरा. हालांकि बारिश ज्यादा देर नहीं हुई, लेकिन फिर भी ठीक ठाक हो गई ।

श्मशान जाकर किया था टोटका

मंदसौर में विगत लंबे समय से अच्छी बारिश नहीं हुई है, इसी समस्या के निराकरण के लिए आज लोगो ने शमशान घाट जाकर एक टोटका किया, टोटके में गधों को हल से जोत कर उड़द के बीज और नमक श्मशान की जमीन पर फैलाए गए तथा बाद में गधे की सवारी भी की गई. इस परंपरा में गधों से निवाई यानी खेत मे बीज बोने की प्रक्रिया भी की जाती है।

राजस्व महा अभियान का जायजा

विदिशा (निप्र)। भोपाल संभागायुक्त डॉ पवन कुमार शर्मा ने आज विदिशा जिले में क्रियान्वित राजस्व महा अभियान 2.0 के तहत उद्धेश्यों की प्राप्ति की अद्यतन स्थिति का जायजा लिया। विदिशा एसडीएम कार्यालय परिसर में संचालित तहसील कार्यालय में पहुंचकर राजस्व महा अभियान की निहित बिन्दुओं का जायजा लिया है। भोपाल संभागायुक्त डॉ शर्मा ने विदिशा ग्रामीण तहसील कार्यालय का औचक निरीक्षण किया और नायब तहसीलदार सर्किल मिर्जापुर की संधारित पंजियों का अवलोकन किया है।

संभागायुक्त ने नायब तहसीलदार श्री आकाश महंत को अभियान अवधि को ध्यानगत रखते हुए समुचित राजस्व रिकार्ड अपडेट रखने के निर्देश देते हुए कहा कि अभियान अवधि में एक भी आवेदक ऐसा वंचित ना रहे जिसका नामांतरण, बंटवारा अथवा सीमांकन संबंधी आवेदन प्राप्त हुआ है। संभागायुक्त डॉ शर्मा ने नायब तहसीलदार न्यायालयीन कार्यो के रिकार्ड पंजी का भी अवलोकन किया वहीं आवेदन प्राप्ति के उपरांत दर्ज करने की प्रक्रिया के संबंध में स्पष्ट निर्देश दिए कि एक भी आवेदन स्टॉक पंजी में दर्ज होने से वंचित ना रहें। कलेक्टर श्री बुद्धेश कुमार वैद्य ने इस दौरान अन्य तहसीलो में भी अभियान के उद्धेश्यो की प्राप्ति के लिए किए गए प्रबंधो, क्रियान्वित बिन्दुओं तथा आवेदनो की प्राप्ति के लिए सहज और सरल उपायो के क्रियान्वयन से अवगत कराया है। निरीक्षण के दौरान अपर कलेक्टर श्री अनिल कुमार डामोर, एसडीएम श्री क्षितिज शर्मा, विदिशा शहरी तहसीलदार डॉ अमित सिंह, ग्रामीण तहसीलदार श्री अजय पाठक भी मौजूद रहे।

रतलाम की चार ट्रेनों में लगेंगे अतिरिक्त जनरल कोच

रतलाम। पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल सामान्य श्रेणी में यात्रा करने वाले यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए मंडल की चार ट्रेनों में सामान्?य श्रेणी के कोच लगाने का निर्णय लिया गया है। इसकी जानकारी देते हुए रतलाम मंडल के वरिष्ठ जनसंपर्क अधिकारी प्रदीप शर्मा ने बताया कि इन चार ट्रेनों में अस्थाई रूप से सामान्य श्रेणी के अतिरिक्त कोच लगाए जाएंगे। इससे सामान्य श्रेणी में यात्रा करने वाले यात्रियों को सुविधा होगी। ट्रेनों का विवरण निम्नानुसार हैः-

- 01 अगस्त 2024 से 14 नवंबर 2024 तक इंदौर जंक्शन से चलने वाली गाड़ी संख्या 12962 इंदौर - मुंबई सेंट्रल एक्सप्रेस में सामान्य श्रेणी का लगाया जाएगा।
- कोच 04 अगस्त 2024 से 17 नवंबर 2024 तक मुंबई सेंट्रल से चलने वाली गाड़ी संख्या 12961 मुंबई सेंट्रल - इंदौर एक्सप्रेस में सामान्य श्रेणी का एक अतिरिक्त कोच लगाया जाएगा।
- 01 अगस्त 2024 से 14 नवंबर 2024 तक डॉ. अम्बेडकर नगर से चलने वाली गाड़ी संख्या 12919 डॉ. अम्बेडकर नगर - श्री माता वैष्णो देवी कटरा एक्सप्रेस में सामान्य श्रेणी का एक अतिरिक्त कोच लगाया जाएगा।
- 03 अगस्त 2024 से 16 नवंबर 2024 तक डॉ. अम्बेडकर नगर से चलने वाली गाड़ी संख्या 12920 श्री माता वैष्णो देवी कटरा ङ्क डॉ. अम्बेडकर नगर एक्सप्रेस में सामान्य श्रेणी का एक अतिरिक्त कोच लगाया जाएगा।

ट्रेनों की आगमन/प्रस्थान समय, ठहराव, कोच कंपोजिशन सहित अन्य जानकारियों के लिए कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते।

रतलाम मंडल रेलवे चिकित्सालय द्वारा लगाया गया स्वास्थ्य परीक्षण तथा सीपीआर प्रशिक्षण शिविर

रतलाम। आज कल लोगों में बढ़ती स्वास्थ्य समस्याओं को ध्यान में रखते हुए तथा कर्मचारियों में स्?वास्?थ्?य के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए एक नियमित अंतराल पर कर्मचारियों का स्वास्थ्य परीक्षण के साथ ही साथ कर्मचारियों में सीपीआर की सामान्य जानकारी बढ़ाने के लिए मंडल चिकित्सालय द्वारा सीपीआर प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जाता रहा है। इसी क्रम में 25 जुलाई, 2024 को मंडल कार्यालय में स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। वरिष्?ठ जनसंपर्क अधिकारी रतलाम मंडल प्रदीप शर्मा ने बताया कि कर्मचारियों की नियमित स्?वास्?थ्?य जांच को ध्?यान में रखते हुए 25 जुलाई, 2024 को मंडल रेलवे चिकित्सालय रतलाम द्वारा कर्मचारियों के लिए स्वास्थ्य परीक्षण एवं सीपीआर प्रशिक्षण शिविर डीआरएम ऑफिस के वाणिज्य विभाग में लगाया गया। जिसमे रेलवे चिकित्सक डॉ प्रखर द्वारा कुल 42 कर्मचारियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा सभी कर्मचारियों को सीपीआर प्रशिक्षण भी दिया गया ताकि जरूरत पड़ने पर सीपीआर देकर किसी व्यक्ति की मदद कर सकें।

बीएड परीक्षा में बैठे दो मुन्ना भाई हुए गिरफ्तार

अशोकनगर। अशोकनगर के नेहरू महाविद्यालय में गुरुवार को बीएड सेकंड इयर के पेपर चल रहे हैं इस दौरान फर्जी तरीके से दूसरे लोगों के पेपर देते हुए दो आरोपी पकड़े गए इन दोनों का खुलासा उनके आधार कार्ड में लगे फोटो एवं आंसर शीट पर किए सिग्नेचर मैच न होने से हुआ कॉलेज में पेपर अनुराग जैन का था उसके स्थान पर विशाल अहिरवार पुत्र राधेश्याम उम्र 22 साल निवासी डंगोर पकड़ा गया। वहीं दूसरा रोल नंबर मोहम्मद मुमताज आलम का था उसके स्थान पर पवन पिता राजेंद्र अहिरवार 27 साल निवासी बलनाई पकड़ा गया। कॉलेज प्रभारी प्राचार्य मनोज ठाकुर ने बताया कि परीक्षा के दौरान हमारी सामान्य प्रक्रिया होती है कि हर कक्षा में इस प्रकार की घोषणा की जाती है कि कोई मोबाइल फोन, इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस या फिर गलती से दूसरे व्यक्ति के परीक्षा हॉल में बैठा हो तो वह चल जाए। कक्ष क्रमांक 22 और 24 में उपस्थिति छात्रों का सत्यापन किया गया। इस दौरान शिक्षकों को इन दोनों लड़कों के फोटो और हस्ताक्षर पर संदेह हुआ। इसके बाद दोनों विद्यार्थियों को परीक्षा नियंत्रण कंट्रोल रूम में लाया गया, जहां पर उनकी दस्तावेज एडमिट कार्ड की जांच करने पर यह स्पष्ट हो गया कि यह वो विद्यार्थी नहीं है जिनकी आज परीक्षा है। इसके बाद पुलिस को सूचना दी और बुलाया गया।

नेहरू डिग्री कॉलेज में क्क्द्गस्त्र सेकंड सेमेस्टर के एग्जाम चल रहे थे। 9 से 12 की शिफ्ट में दो लोगों को पकड़ा गया, जो किसी अन्य व्यक्तियों की जगह पर एग्जाम दे रहे थे। कॉलेज के प्राचार्य के द्वारा थाने में लिखित में आवेदन दिया गया था। उस पर से पेपर देने के दौरान पकड़े गए विशाल और पवन पर धारा 318-4, 319-2, 338, 340-2, 3, 5 और 3/4 परीक्षा अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा रही है। यह लोग इस तरह के किसी मामलों में रहे हैं या नहीं उस बारे में जांच की जाएगी और आगे इनसे पूछताछ की जाएगी। देहात थाना प्रभारी ने बताया कि इनसे पूछताछ की गई तो इन्होंने एक व्यक्ति का नाम बताया है उसने 500 या ?600 में इन्हे लालच देकर पेपर देने के लिए भेजा था। जो नाम बताया है उस संबंधित व्यक्ति की भी तलाश की जा रही है। यह दोनों स्टूडेंट कॉलेज में एडमिशन लेने के लिए चक्कर लगा रहे थे तभी उस व्यक्ति के संपर्क में आए थे। जिस व्यक्ति ने परिक्षा हॉल में बैठाया था उसके बारे में पता किया तो जानकारी मिली है की उसका भोपाल में आना-जाना रहता है उसे बारे में जांच करेंगे पकड़े गये युवकों ने बताया कि वह दोनों क्क्द्गस्त्र करना चाहते थे। इसीलिए सिटी पब्लिक कॉलेज में गए हुए थे। हम दोनों पहले से परिचित नहीं थे। वहीं पर हमें एक व्यक्ति मिला, जिसने कहा कि तुम्हारी 10-10 हजार रुपये फीस कम कर दी जाएगी और 600-700 नकद पेपर देने के बाद दे देंगे, तुम्हें केवल परीक्षा हॉल में बैठकर पेपर देना है। फीस कम करने और पैसा मिलने के चक्कर में हम परीक्षा हॉल में बैठ गये। दोनों युवकों ने बताया कि यह पेपर किन लोगों के थे उसे बारे में हम नहीं जानते। हमसे बोला गया था कि वहां जाकर कुछ भी लिख आना, हमारी पूरी सेटिंग है, जबकि हमने उस विषय के बारे में कोई पढ़ाई नहीं की थी।

बड़वानी में स्कूल परिसर में फंदे पर लटकता मिला महिला का शव

बड़वानी। बड़वानी जिले के सेंधवा नगर स्थित एक सरकारी स्कूल में शुक्रवार सुबह एक महिला का शव फांसी के फंदे पर लटकता हुआ मिला यह घटना निवाली रोड पर स्थित माध्यमिक विद्यालय क्रमांक 1 के परिसर में हुई, जहां शव एक पेड़ पर लटका हुआ पाया गया। महिला की पहचान रेखा पति शंकर के रूप में की गई है, जो सेंधवा नगर की ही रहने वाली थी।शव मिलने की खबर फैलते ही घटनास्थल पर भारी भीड़ जमा हो गई स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचित किया, जिसके बाद सेंधवा शहर थाना पुलिस और बीईओ लोकेंद्र सोहनी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल की जांच की और महिला के शव का पंचनामा बनाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फिलहाल, यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि महिला स्कूल परिसर में कैसे पहुंची और यह घटना कैसे घटी। पुलिस अब महिला के परिजनों से जानकारी निकालने और उनसे पूछताछ करने की तैयारी कर रही है ताकि आत्महत्या या हत्या के पीछे के कारणों का पता लगाया जा सके।पुलिस ने घटनास्थल की घेराबंदी कर जांच शुरू कर दी है। महिला के परिजनों की जानकारी इकट्ठा कर उनसे पूछताछ की जा रही है। पुलिस का उद्देश्य है कि महिला की मौत के पीछे की सच्चाई का पता लगाया जाए और इसके लिए सभी संभावित कोणों की जांच की जा रही है। इस घटना ने सेंधवा नगर में सनसनी फैला दी है। मामले की जांच जारी है।

दैनिक
सद्भावना पाती

...प्राणियों में सद्भावना हो...

इंदौर पाती

भाजपा पार्षद के घर चूड़ी देने पहुंची महिला कांग्रेस की कार्यकर्ता

इंदौर। इंदौर शहर में कांग्रेस ने जमकर प्रदर्शन किया. भाजपा पार्षद के घर चूड़ी देने महिला कांग्रेस के कार्यकर्ता पहुंचे और जमकर नारेबाजी की महिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बीजेपी पार्षद शानू शर्मा की गिरफ्तारी की मांग की मालूम हो कि पार्षद पर दुष्कर्म का आरोपी है पुलिस ने भाजपा पार्षद के घर की बैरिकेटिंग कर महिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं को घर के बाहर ही रोक लिया कांग्रेस ने बीजेपी पार्षद पर नौकरी देने के नाम पर बहाने महिला से यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया है पीड़ित महिला ने द्वारकापुरी थाने में बीजेपी पार्षद शानू शर्मा पर दुष्कर्म का मामला दर्ज करवाया है।

राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों को अतिरिक्त प्रभार

इंदौर। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी आशीष सिंह के निर्देशानुसार अपर कलेक्टर श्रीमती सपना लोवंशी ने संयुक्त कलेक्टर श्रीमती प्रिया वर्मा के अवकाश पर होने पर अन्य राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों को विभिन्न दायित्व सौंपते हुए आदेश जारी किये है। सौंपे गये अतिरिक्त प्रभार अनुसार संयुक्त कलेक्टर श्रीमती रोशनी वर्धमान को जनसुनवाई, सीएम एवं सीएम मॉनिट तथा प्रभारी डिप्टी कलेक्टर श्रीमती ?सीमा कनेश मौर्य को समाधान ऑनलाइन, ई-ऑफिस, पीजीआर,पेयजल ऑडिट, एनजीटी शाखा, चरित्र सत्यापन, मानव अधिकार आयोग एवं समस्त आयोग के पत्र तथा अल्पसंख्यक शाखा का दायित्व सौंपा गया है।

इंदौर हाई कोर्ट में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन 14 सितम्बर को

इंदौर। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली के आदेशानुसार आगामी माह 14 सितम्बर 2024 को समस्त न्यायालयों में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जायेगा। प्रशासनिक न्यायाधिपति एस.ए.धर्माधिकारी के निर्देशन में मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय खंडपीठ इंदौर में 14 सितम्बर(शनिवार) को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति खंडपीठ इंदौर प्रिंसिपल रजिस्ट्रार/सचिव अनूप कुमार त्रिपाठी ने बताया कि समस्त पक्षकारों एवं अधिवक्तागण से अनुरोध है कि उपरोक्तानुसार उच्च न्यायालय में लंबित प्रकरणों को नेशनल लोक अदालत के माध्यम से सुलह एवं समझौते के आधार पर निराकृत कराने हेतु मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय खंडपीठ इंदौर में प्रिंसिपल रजिस्ट्रार, ओ.एस.डी/रजिस्ट्रार, रजिस्ट्रार (एम), ज्वाइंट रजिस्ट्रार, संबंधित सेक्शन एवं विधिक सहायता अधिकारी, उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति इंदौर से संपर्क कर अपने प्रकरणों को नेशनल लोक अदालत में रखने हेतु आवेदन/सूचना दे सकते है। लोक अदालत के माध्यम से प्रकरण का निराकरण होने पर शासन द्वारा अदा की गई कोर्ट फीस वापसी का भी प्रावधान है।

इंदौर में गत वर्ष की तुलना में लगभग आधी वर्षा

इंदौर। इंदौर जिले में जारी मानसून सत्र में अब तक 323.7 मिलीमीटर (पौने 13 इंच) औसत वर्षा दर्ज की गई है। यह गत वर्ष इस अवधि में दर्ज वर्षा की तुलना में लगभग आधी है। गत वर्ष जिले में 610.4 मिली मीटर (24 इंच) से अधिक वर्षा हुई थी। भू-अभिलेख कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार इस वर्ष अब तक इंदौर क्षेत्र में 263.5 मिली मीटर, महू में 211 मिली मीटर, सांवेर में 363 मिली मीटर, देपालपुर में 480.6 मिली मीटर, गौतमपुरा क्षेत्र में 382.2 मिली मीटर तथा हातोद क्षेत्र में 242.1 मिलीमीटर वर्षा हुई है। जिले में गत वर्ष अब तक इंदौर क्षेत्र में 520.7 मिलीमीटर, महू में 547 मिली मीटर, सांवेर में 633.6 मिली मीटर, देपालपुर में 883.5 मिली मीटर, गौतमपुरा क्षेत्र में 558.4 मिली मीटर तथा हातोद क्षेत्र में 519.3 मिलीमीटर वर्षा हुई थी।

बरसते पानी में मकान तोड़ने पहुंचे निगम के अमले का इंदौर में भारी विरोध, मकान टूट गए तो कहां जाएंगे?

इंदौर। इंदौर में न्याय नगर की सात एकड़ जमीन पर बने 77 मकानों को बरसते पानी में हटाने पहुंचे नगर निगम के अमले को भारी विरोध का सामना करना पड़ा। सैकड़ों महिलाएं सड़क पर आ गई और बुलडोजर के सामने खड़ी हो गई। कुछ ने अफसरों से धक्का-मुक्की की कोशिश भी की उनका कहना था कि वर्षाकाल में अतिक्रमण विरोधी मुहिम नहीं चलाई जाती है फिर क्यों अभी मकान तोड़े जा रहे है अफसर कोर्ट के आदेश का हवाला देकर मकान तोड़ने पर आमादा थे। आखिरकार निर्माणाधीन मकानों को हटाने पर सहमति बनी। जिन मकानों में लोग रह रहे है,फिलहाल उन्हें नहीं तोड़ा गया, लेकिन उन्हें स्वेच्छा से मकान हटाने के नोटिस नगर निगम द्वारा पहले ही दिए जा चुके है। कल शुक्रवार सुबह सात बजे नगर निगम का अमला पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गया था मुहिम शुरू करने से पहले महिलाएं विरोध करने लगी कुछ युवक जेसीबी के सामने खड़े हो गए। महिलाएं चीखने के अलावा अफसरों के सामने रोने लगी। उनका कहना था कि हमने कर्ज लेकर मकान बनाए। सभी मध्यमवर्गीय परिवार है।

मकान टूट गए तो कहां जाएंगे?

अफसरों ने कहा कि जमीन को कब्जे से मुक्त कराने के निर्देश कोर्ट ने दिए है हमें तो कोर्ट आदेश का पालन करना है आखिरकार निर्माणाधीन मकानों को तोड़ने का फैसला लिया गया इस जमीन का मामला कई वर्षों से कोर्ट में है सुप्रीम कोर्ट ने जमीन के मामले में श्रीराम बिल्डर्स के पक्ष में फैसला सुनाया है और कब्जे हटाने के निर्देश दिए है इस जमीन पर बीते 10 सालों में मकान बने है।

सिक्स लेन फ्लायओवर के लिए निजी जमीनों का भी होगा अधिग्रहण

इन्दौर। सेतू बंधन योजना के तहत लगभग 300 करोड़ की लागत से एमपीआरडीसी द्वारा चार चौराहों पर फ्लायओवरों का निर्माण करवाया जा रहा है, जिसमें सत्यसांई, देवास नाका, मूसाखेड़ी और आईटी पार्क चौराहा शामिल है इसके लिए केंद्र सरकार ने कुछ समय पूर्व राशि मंजूर की थी अभी देवास नाका के सिक्स लेन फ्लायओवर के लिए निजी जमीनों का अधिग्रहण भी प्रशासन द्वारा करवाया जा रहा है लगभग 4 लाख स्क्वेयर फीट से अधिक जमीन अधिग्रहित की जाना है, जिसमें हिन्दुस्तान पेट्रोलियम के साथ कुल 14 जमीन मालिक शामिल हैं, जिन्हें नोटिस जारी कर 30 दिन में अपनी आपत्तियों को प्रस्तुत करने का समय दिया गया है। देवासनाका निरंजनपुर में इस फ्लायओवर निर्माण की तैयारी भी एमपीआरडीसी ने सुरू कर दी है और कुछ समय पहले बीआरटीएस कारिडोर की रैलिंग भी हटा दी और मौके पर काम शुरू किया गया है। दरअसल केंद्र सरकार के परिवहन मंत्रालय ने कुछ समय पूर्व इन्दौर सहित प्रदेश में सेतू बंधन योजना के तहत कई फ्लायओवरों की मंजूरी दी थी इसमें इन्दौर में देवासनाका, सत्यसांई चौराहा, आईटी पार्क खंडवा रोड और मूसाखेड़ी चौराहे पर यह सिक्स लेन के फ्लायओवर बनना है। लगभग 300 करोड़ रुपये की लागत इन पर आएगी और इसका जिम्मा मप्र सडक़ विकास निगम यानी एमपीआरडीसी को सौंपा गया है। पिछले दिनों बीआरटीएस की रेलिंग हटाकर मौके पर काम भी शुरू किया गया तो दूसरी तरफ देवास नाका फ्लायओवर के लिए निजी जमीनों के अधिग्रहण की प्रक्रिया भी कलेक्टर आशीष सिंह ने शुरू करा दी, जिसके चलते फ्लायओवर के निर्माण के लिए जो निजी जमीनें अधिग्रहित की जाना है, उनके मालिकों से आपत्तियां आमंत्रित की गई है।

अनुविभागीय अधिकारी और भू-अर्जन अधिकारी जूनी इन्दौर ने संभागीय प्रबंधक एमपीआरडीसी के प्रस्ताव के आधार पर भू-अर्जन की यह प्रक्रिया शुरू की है, जिसमें निरंजनपुर ग्राम की 0.38982 हेक्टेयर जमीन का अर्जन किया जाना है, जिसमें एक जमीन कृषि तो अधिकांश जमीन व्यावसायिक और कुछ आवासीय उपयोग की है, जिसमें हिन्दुस्तान पेट्रोलियम के अलावा यास्मीन मलिक, हाशिम मलिक, इसहाक, मुस्तफा सहित अन्य जमीन मालिक तो हैं ही, वहीं डायमंड ट्रांसपोर्ट कार्पोरेशन के साथ आरआर इंडस्ट्रीज, जिनाइन बिल्डकॉन, आदिनाथ डेवलपर्स के अलावा 6 अन्य जमीनें जिनाइन बिल्डकॉन प्रा.लि. दीपक अरविन्द पटेल के नाम राजस्व रिकार्ड में अंकित है। एक जमीन रामचन्द्र दीक्षित जावरा कंपाउंड की भी इसमें शामिल है इन 14 जमीन मालिकों की चार लाख स्क्वेयर फीट से अधिक जमीनों का अधिग्रहण सिक्स लेन फ्लायओवर निर्माण के लिए किया जाना है। अब इन निजी जमीनों के बदले या तो टीडीआर सर्टिफिकेट का लाभ दिया जाएगा अथवा नकद मुआवजा, जो कि हालांकि अत्यधिक महंगा साबित होगा संभव है कि यह जमीन मालिक इस भूअर्जन की प्रक्रिया को अदालती चुनौती भी दें यह भी उल्लेखनीय है कि एमपीआरडीसी के इन चार फ्लाईओवर के अलावा शहर में एक दर्जन अन्य फ्लायओवरों का निर्माण भी चल रहा है। इसमें राऊ चौराहा, एमआर 10 सहित बायपास व अन्य जगह नेशनल हाईवे इनका निर्माण कर रहा है तो चार अन्य प्रमुख शहरी चौराहों पर फ्लायओवर का निर्माण इंदौर विकास प्राधिकरण द्वारा भी किया जा रहा है, जिसमें खजराना भंवरकुआं, फूटी कोठी और लव कुश चौराहा प्रमुख है। लगभग 200 करोड़ रुपये के इन चारों फ्लायओवरों का निर्माण प्राधिकरण इस साल के अंत तक पूरा कर लेगा। इन तमाम एक दर्जन से अधिक फ्लाईओवर के निर्माण के बाद शहर का यातायात सुगम होने की उम्मीद है फिलहाल तो दो से तीन वर्ष निर्माण कार्यों के चलते यातायात जगह-जगह अनवरुद्ध भी होता है, क्योंकि इन फ्लायओवरों के अलावा मेट्रो प्रोजेक्ट का भी बीच शहर में चल रहा है। सुपर कॉरिडोर से लेकर विजयनगर, रोबोट चौराहा और वहां से खजराना चौराहे तक मेट्रो प्रोजेक्ट का काम इन दिनों जारी है।

बीजेपी विधायक ने खुद को बताया सनातनी विधायक, भगवान शिव के साथ लगवाए आदमकद होर्डिंग, मचा बवाल

इंदौर। इंदौर की विधानसभा 3 से बीजेपी से विधायक गोलू शुक्ला की कांवड़ यात्रा के लिए लगाए गए पोस्टर-होर्डिंग को लेकर कांग्रेस ने कड़ी आपत्ति जताई है कांग्रेस नेताओं ने पोस्टरों में भगवान भोलेनाथ का अपमान किए जाने की बात कही है कांग्रेस ने इंदौर महापौर से पोस्टर और होर्डिंग तुरंत हटाने की मांग की है इंदौर की विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 3 से बीजेपी से विधायक गोलू शुक्ला पिछले 22 सालों से कांवड़ यात्रा निकाल रहे हैं जिसके लिए इंदौर शहर के विभिन्न चौराहों पर पोस्टर-बैनर हर साल लगाए जाते हैं, लेकिन पिछले साल गोलू शुक्ला के विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 3 से विधायक बनने के बाद पूरे शहर को कांवड़ यात्रा के बैनर पोस्ट से पाट दिया गया है।

कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया है कि विधायक गोलू शुक्ला जहां खुद को सनातनी विधायक बता रहे हैं. वहीं पोस्टर में खुद को भगवान भोलेनाथ से बड़ा बताते हुए स्वयं का प्रचार-प्रसार कर रहे हैं ऐसे होर्डिंग बैनर और पोस्टर से हिंदू धर्म की आस्था प्रभावित होती है लिहाजा ऐसे बैनर पोस्टर तुरंत हटवा देने चाहिए।

कांग्रेस ने महापौर से किया होर्डिंग-पोस्टर हटाने का आग्रह

इस मामले में विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 3 के कांग्रेस नेता दीपक जोशी पिंटू ने बताया कि रीगल चौराहे पर और शहर की आन-बान और शान राजवाड़ा पर विधायक शुक्ला के होर्डिंग लगाए गए हैं, जिसमें खुद को भगवान शिव से बड़ा बताया गया है. जिससे हिंदू धर्म की आस्था प्रभावित होती है. जोशी का कहना है कि हमने इस मामले में महापौर पुष्यमित्र भार्गव से पोस्टर हटाने का निवेदन किया है।

इंदौर में 16 हार्ट पेशेंट बच्चों का होगा मुफ्त ऑपरेशन

इंदौर। शहर से दूरदराज वाले उन इलाकों में जहां उच्च स्तरीय इलाज की व्यवस्था नहीं है और न ही आर्थिक तंगी के चलते मरीज इंदौर आकर इलाज करा पाते हैं, ऐसे ही तबके के मरीजों के लिए प्रशासन उनके ही इलाके में जाकर स्वास्थ्य शिविर लगाता आ रहा है 20 जुलाई को लगाए गए स्वास्थ्य शिविर में जब 45 बच्चों की जांच की गई तो 16 ऐसे मरीज बच्चे मिले, जिन्हें दिल की गंभीर बीमारियां हैं। अब प्रशासन इन सभी बच्चों को इंदौर लाकर निजी अस्पतालों में इनके हार्ट, यानी हृदय का मुफ्त में ऑपरेशन करवाएगा। इंदौर संभाग के सभी जिले , तहसील, ब्लाक स्तर पर संभागायुक्त के निर्देश पर इंदौर मेडिकल कॉलेज सहित निजी अस्पतालों के डॉक्टर और अन्य स्टाफ को ले जाकर स्वास्थ्य शिविर लगाए जा रहे हैं । संभागायुक्त दीपक सिंह के नेतृत्व में अभी तक 6 स्वास्थ्य शिविर लगाए जा चुके हैं। 10 अगस्त तक शिविर लगते रहेंगे सेंधवा स्वास्थ्य शिविर में जब 45 बच्चों की जांच की गई तो 16 ऐसे मरीज बच्चे मिले, जिन्हें दिल की गंभीर बीमारियां हैं। अब प्रशासन इन सभी बच्चों को इंदौर लाकर इनके हार्ट का मुफ्त में ऑपरेशन करवाएगा। हाल ही में सेंधवा में स्वास्थ्य शिविर लगाया था, जिसमें इंदौर महात्मा गांधी मेडिकल कॉलेज के लगभग 150 डाक्टर्स, पैथोलॉजी स्टाफ, एक्सरे टेक्नीशियन सहित अन्य स्टाफ शामिल था। स्वास्थ्य शिविर में 8 हजार से अधिक संदिग्ध मरीजों की विशेषज्ञ चिकित्सकों ने जांच कर उनका इलाज किया। जो मरीज गंभीर बीमारियों से पीड़ित हैं, उन्हें इंदौर लाकर सरकारी योजनाओं के अंतर्गत मुफ्त में इलाज कराया जाएगा। संभागायुक्त दीपक सिंह ने बताया कि इंदौर संभाग के सभी जिलों में स्वास्थ्य शिविर लगाए जा रहे हैं। शिविर का आयोजन 10 अगस्त तक जारी रहेगा।

निजी हॉस्पिटल के डाक्टर्स भी दे रहे सेवाएं

स्वास्थ्य शिविर में महात्मा गांधी मेडिकल कॉलेज इंदौर के अलावा अरबिंदो मेडिकल कॉलेज इंदौर, शंकर आई अस्पताल इंदौर, अपोलो राजश्री हॉस्पिटल इंदौर, विशेष जूपिटर, बॉम्बे अस्पताल इंदौर, शैल्बी अस्पताल इंदौर, कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल इंदौर, इंदौर कैंसर फाउंडेशन इंदौर, एलएनसीटी चिकित्सा महाविद्यालय इंदौर के डॉक्टर-विशेषज्ञ शामिल रहे।जन्म से लेकर 18 साल तक के हृदय रोगियों के लिए 14 जुलाई 2011 को मध्यप्रदेश सरकार ने मुख्यमंत्री बाल हृदय बीमा योजना शुरू की। इस योजना का उद्देश्य हृदय रोग से पीड़ित बच्चों का मुफ्त में इलाज करना है। योजना के अनुसार सरकार नाबालिग मरीजों के हार्ट में स्टेंट डलवाने से लेकर जटिल ऑपरेशन तक का पूरा खर्च उठाती है।

कारगिल दिवस पर इंदौर के सूबेदार ने सुनाया जीत का किस्सा

2 किमी चढ़ाई कर रात में करते थे अटैक; इंडियन आर्मी हाई मोरल वैल्यू वाली सेना

इंदौर (एजेंसी)। हमारी बटालियन को सूचना मिली की भारत पाकिस्तान के बीच हुए शान्ति समझौते का उल्लंघन हो चुका है। पाकिस्तान की सेना ने द्रास से लेकर कारगिल, बटालिक और तुरतुक तक करीब 200 किमी लम्बे इलाके में घुसपैठ कर ऊंची चोटियों को अपने कब्जे में ले लिया था।हमें 1999 के मई की शुरुआत में ऑपरेशन में शामिल होने की सूचना दी गई। दो महीने तक हमारी बटालियन ऑपरेशन विजय में शामिल रही। मई से जुलाई के बीच हमने जंग लड़ी। 7 जुलाई के आसपास हमने दुश्मनों को खदेड़ दिया। करीब 15 दिनों तक चोटी पर पेट्रोलिंग कर दुश्मनों पर नजर रखी और फिर वापस बेस पर लौटे।1999 में कारगिल युद्ध (ऑपरेशन विजय) में शामिल 18 गढ़वाल राइफल्स के सूबेदार लक्ष्मण सिंह ने कारगिल के किस्से सुनाए तो लगा एक अभी कुछ दिन पहले ही

की बात है। मई 1999 में द्रास सेक्टर में तैनाती हुई और कारगिल युद्ध में शामिल हुए। वे कहते हैं भले ही इस लड़ाई का नाम ऑपरेशन विजय रखा गया हो लेकिन माहौल पूरा युद्ध जैसा ही था।लक्ष्मण आगे कहते हैं कि भारतीय सेना बहादुर और हाई मॉरल वैल्यू वाली सेना है। लड़ाई दुश्मन को मार के जीती जाती है न कि शहीद होकर।

दुश्मन को मार के शहीद होना ही हर सैनिक का सबसे बड़ा मोक्ष है।इस ऑपरेशन के बाद फिर अपनी बटालियन के साथ बेस कैंप पर लौट गए और जनवरी 2006 में इंदौर के पास महू स्थित इन्फैंट्री स्कूल में इंस्ट्रक्टर के तौर पर काम करने लगे।सूबेदार लक्ष्मण सिंह का बचपन उत्तराखंड के पौड़ी गढ़वाल में बिता। पिता और उनके चारों भाइयों के फौज में होने के चलते 17 साल की उम्र में फौज में जाने का मन बना लिया था। सूबेदार लक्ष्मण सिंह 12वीं क्लास पास करने के बाद 1989 में 16 बिहार रेजिमेंट में शामिल हो गए।

इंदौर कांग्रेस ने दिया कलेक्टर को ज्ञापन

बलात्कार के आरोप में घिरे पार्षद शानू शर्मा को अयोग्य घोषित करने की मांग

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर वार्ड 82 के पार्षद और जोन 14 के अध्यक्ष बीजेपी नेता शानू शर्मा पर लगे दुष्कर्म के आरोपों को लेकर इंदौर शहर कांग्रेस ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंप शर्मा को पद के अयोग्य घोषित करने की मांग की है। कांग्रेस ने ज्ञापन देकर कहा कि हाल ही में वार्ड क्रमांक 82 के पार्षद शालू शर्मा उर्फ़ नितिन के खिलाफ पुलिस के द्वारा बलात्कार का मुकदमा दर्ज किया गया है। इस पार्षद के द्वारा समय की मारी महिला की मजबूरी का फायदा उठाकर उसकी इज्जत से खेला गया।कांग्रेस ने ज्ञापन देते समय कहा कि यह निश्चित तौर पर शर्मनाक घटना है।

इस घटना का चिंताजनक दृश्य यह है कि ज्यादिती की शिकार महिला को मुकदमा दर्ज कराने के लिए परेशान होना पड़ा। इस महिला का मुकदमा दर्ज नहीं किया जाए, इसके लिए पुलिस पर राजनीतिक दबाव बनाया गया। वहीं कांग्रेस ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंप तीन मांग रखी है। कांग्रेस की मांग है कि आरोपी को जल्द से जल्द गिरफ्तार किया जाए, इस आरोपी को पार्षद पद से अयोग्य घोषित किया जाए और इस

मुकदमे को फास्ट ट्रैक कोर्ट में भेजा जाए ताकि अत्याचार से पीड़ित महिला को जल्द न्याय मिल सके।

कांग्रेस ने चुनाव कराने की भी रखी मांग

कांग्रेस ने यह भी मांग की है कि इंदौर नगर निगम का वार्ड क्रमांक 83 का पार्षद पद रिक्त है। इस वार्ड से कमल किशोर लडढा निर्वाचित घोषित किए गए थे। लडढा का 26 जनवरी 2024 को निधन हो चुका है। उनके निधन के 6 माह बीत चुके हैं, लेकिन इसके बावजूद अब तक इस वार्ड के चुनाव का कार्यक्रम घोषित नहीं किया गया है। मध्य प्रदेश नगर पालिक निगम अधिनियम में किए गए प्रावधान के अनुसार अधिकतम 6 माह की अवधि में नया निर्वाचन कर लिया जाता है। ऐसी स्थिति में हमारा आपसे आग्रह है कि कृपया राज्य निर्वाचन कार्यालय में प्रस्ताव भेज कर उक्त चुनाव का कार्यक्रम शीघ्र अति शीघ्र घोषित करने का कष्ट करें।

संपादकीय

कड़े कानून के बाद भी परीक्षाओं में गड़बड़ी और पेपरलीक

केंद्र और राज्य सरकारों की ओर से बनाए गए कानूनों में परीक्षा में गड़बड़ी और पर्चाफोड़ के दोषियों को सजा के कड़े प्रावधान किए गए हैं। मगर, सवाल है कि क्या हर राज्य में अलग-अलग कानून बना देने से ऐसे मामलों पर अंकुश लग पाएगा?

प्रतियोगी परीक्षाओं में गड़बड़ी और पर्चाफोड़ के मामले उजागर होने से स्वाभाविक ही परीक्षा आयोजित करने वाली संस्थाओं पर सवाल उठते हैं। खासकर राष्ट्रीय परीक्षा एजंसी यानी एनटीए की ओर से कराई जाने वाली राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट-यूजी) में पर्चाफोड़ से देश के लाखों विद्यार्थियों के विश्वास को धक्का पहुंचा है। परीक्षाओं की विश्वसनीयता को लेकर केंद्र और राज्य सरकारें चिंतित भी हैं। इसी के मद्देनजर केंद्र सरकार ने सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम 2024 लागू किया है, जिसकी अधिसूचना पिछले माह जारी की गई थी।

उत्तर प्रदेश सरकार ने परीक्षा में गड़बड़ी और पर्चाफोड़ पर अंकुश लगाने के लिए हाल में नया कानून बनाया है। अब बिहार सरकार ने भी प्रदेश लोक परीक्षा (पीई) अनुचित साधन निवारण विधेयक, 2024 विधानसभा में पारित किया है। दरअसल, बिहार सरकार ने इसकी तात्कालिक जरूरत इसलिए समझी, क्योंकि नीट-यूजी पर्चाफोड़ मामले के तार वहां से भी जुड़े हैं। कुछ अन्य राज्य भी इस तरह का कानून बनाने पर विचार कर रहे हैं।

केंद्र और राज्य सरकारों की ओर से बनाए गए कानूनों में परीक्षा में गड़बड़ी और पर्चाफोड़ के दोषियों को सजा के कड़े प्रावधान किए गए हैं। मगर, सवाल है कि क्या हर राज्य में अलग-अलग कानून बना देने से

ऐसे मामलों पर अंकुश लग पाएगा? नीट-यूजी पर्चाफोड़ के मामले में केंद्र सरकार ने कुछ तात्कालिक कदम उठाए हैं। नया कानून लागू करने के साथ ही इस मामले की जांच सीबीआइ को सौंपी गई है और कई लोगों की गिरफ्तारी भी हुई है। मगर, क्या ये कदम छात्रों और अभिभावकों की परेशानी दूर करने के लिए काफी हैं? यह कवायद मात्र रोग के लक्षणों का उपचार करना है। मूल समस्या कहीं अधिक गहरी है और इसकी जड़ों पर प्रहार करने की जरूरत है। प्रतियोगी परीक्षाओं में कुशल प्रतिभाओं का चयन जरूरी है और यह तभी संभव होगा, जब इन परीक्षाओं की शुचिता कायम रखी जाएगी। हर महत्त्वपूर्ण संस्थान और एजंसी के कार्य तभी उत्तम स्तर के होंगे, जब सुयोग्य व्यक्तियों को उनकी जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। साथ ही, परीक्षाओं में गड़बड़ी रोकने संबंधी कानूनों पर कड़ाई से अमल सुनिश्चित करना जरूरी है।

उम्मीद का मैदान, पेरिस ओलंपिक में भारतीय खिलाड़ियों का लक्ष्य 'टोक्यो 2020' से आगे का रहेगा

इस बार न केवल देश के लोगों को इससे ज्यादा पदक जीतने की उम्मीद होगी, बल्कि खुद भारतीय खिलाड़ियों का भी लक्ष्य यही होगा कि अपने पदकों की संख्या को कम से कम दस के पार ले जाया जाए। पिछले कुछ समय से खेलों की दुनिया में भारतीय खिलाड़ियों ने अपने प्रदर्शन से जो उम्मीद जगाई है, उसे देखते हुए स्वाभाविक ही यह अपेक्षा होगी कि आज से फ्रांस के पेरिस में शुरू हो रहे ओलंपिक में भारत का नाम फिर चमकता हुआ दिखे। दरअसल, अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में कई खेलों में हमारे खिलाड़ियों ने जैसा दमखम दिखाया, पदक तालिका में देश को एक सम्मानजनक जगह दिलाई, उसने देश के लोगों के भीतर खेलों को लेकर एक नया उमंग भर दिया है। 2020 में टोक्यो में हुए ओलंपिक में भारत ने सात पदक हासिल किए थे। यह ओलंपिक प्रतियोगिताओं में भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। जाहिर है, इस बार न केवल देश के लोगों को इससे ज्यादा पदक जीतने की उम्मीद होगी, बल्कि खुद भारतीय खिलाड़ियों का भी लक्ष्य यही होगा कि अपने पदकों की संख्या को कम से कम दस के पार ले जाया जाए। हालांकि ओलंपिक में शामिल होने वाले सभी देश अपने श्रेष्ठ प्रदर्शन और पदकों पर कब्जा जमाने के मकसद को ध्यान में रखते हुए ही तैयारी करते हैं। मगर हाल के वर्षों में कई खेलों में भारतीय खिलाड़ियों के प्रदर्शन में गुणात्मक सुधार के मद्देनजर काफी संभावनाएं दिख रही हैं।

गौरतलब है कि इस बार पेरिस ओलंपिक में भारत की ओर से एक सौ सत्रह एथलीट हिस्सा लेने पहुंचे हैं। इन खिलाड़ियों को यह ध्यान रखने की जरूरत है कि हौसला किसी भी मैदान में हाथ से छूटती बाजी को लपक लेने का सबसे बड़ा हथियार होता है। पिछले ओलंपिक में भाला फेंक में नीरज चोपड़ा ने जिस तरह स्वर्ण पदक जीता था, अब इस ओलंपिक में भी उनसे बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही है। इसके अलावा, तीरंदाजी, कुश्ती, हाकी और बैडमिंटन में भारतीय खिलाड़ियों से पदक की अपेक्षा की जा सकती है।

यह भी देखने की बात होगी कि पिछले साल एक अप्रिय विवाद से गुजरने के बाद कुश्ती में भारतीय खिलाड़ी क्या ला पाते हैं। यह सही है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर की इस सबसे चुनौतीपूर्ण प्रतियोगिता में भारत के लिए चुनौती भी बड़ी है। मगर उम्मीद की जानी चाहिए कि अलग-अलग खेलों में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को प्रशिक्षण देने वाले प्रबंधन ने इस स्तर की तैयारी कराई होगी कि पदक तालिका में भारत को एक सम्माजनक जगह हासिल करने की संभावना बनेगी।

आज का कार्टून

केंद्र सरकार के कर्मचारियों के राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ में सम्मिलित होने हेतु हाई कोर्ट के निर्णय के आलोक में याचिकाकर्ता पुरुषोत्तम गुप्ता की प्रेस वार्ता

इंदौर। दिनांक 26 जुलाई 2024 को विश्व संवाद केंद्र मालवा द्वारा आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए पुरुषोत्तम गुप्ता ने उनके द्वारा हाई कोर्ट में दायर याचिका पर आए महत्वपूर्ण निर्णय पर अपनी भावाभिव्यक्ति में कहा कि मैं सेंट्रल वेयरहाउसिंग कारपोरेशन में इंदौर में ही पदस्थ था। संघ के काम उसकी कार्य पद्धति तथा आपदाओं और देश के संकट के समय संघ के स्वयंसेवकों द्वारा तत्परता पूर्वक निस्वार्थ बुद्धि से किए गए कार्यों से मैं बहुत प्रभावित था। इंदौर की सेवा बस्तियों में संघ की प्रेरणा से सेवा भारती द्वारा किए गए सेवा कार्यों को देखता तो सोचता कि बिना किसी सरकारी सहायता के अपना पैसा व समय लगाकर स्वयंसेवक किस प्रेरणा से कार्य कर पाते हैं ?मैं चाह कर भी संघ के काम में खुलकर जुड़ नहीं पाता था फिर भी मैं समय-समय पर छुप कर कार्यक्रमों में शामिल होता था किंतू मुझे भय लगा रहता था कि कहीं कोई मेरी शिकायत ना कर दे, मुझ पर कार्यवाही न कर दे। मैंने सुन रखा था कि केन्द्रीय शासकीय कर्मचारियों की सेवा नियमावली में संघ में शामिल होने को लेकर कठोर दंड के प्रावधान हैं, नौकरी तक जाने का खतरा है और अनेक लोगों को इस आधार पर दंडित किया जा चुका है। 1975 की इमरजेंसी में संघ के स्वयंसेवकों पर की गई कार्यवाहियां भी मैंने देखी है इसीलिए मैं इस विषय को नौकरी में रहते हुए कहीं उठा नहीं पाया। अब जब मैं सेवा निवृत हो चुका हूं तथा बच्चे भी स्वावलंबी हो गए हैं तो मैंने तय किया कि इस विषय को उठाया जाए ताकि भविष्य में किसी भी कर्मचारी को संघ जैसे पवित्र कार्य से जुड़ने में बाधा उत्पन्न ना हो।

न्यायालय की शरण लेना मैंने इसलिए आवश्यक समझा कि मैं जानता था - ÷राजनीतिक हल स्थाई नहीं हो सकता। एक सरकार इसे हटा भी दे तो कोई दूसरी सरकार इस नियम को फिर से लगा सकती है। मैं यह भी जानना चाहता था कि इस प्रतिबंध के विषय में भारत का संविधान और कानून क्या कहता है? न्यायालय इस संदर्भ में क्या निर्णय देता है? भारत की न्याय व्यवस्था पर मुझे पूर्ण विश्वास था जो कल के निर्णय से और भी अधिक सुदृढ हो गया है। आपने देखा ही होगा केंद्र सरकार ने जैसे ही न्यायालय में हलफनामा दायर किया कि हमने प्रतिबंधित संगठनों की सूची में से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का नाम हटा लिया है तब अनेक राजनीतिक दलों ने हंगामा मचाया। जो लोग संविधान को हाथ में लेकर आज राजनीति कर रहे हैं वे ही इस प्रतिबंध को लगाने के लिए जिम्मेदार थे और आज भी इस प्रतिबंध के पक्ष में हैं जबकि संविधान ऐसे किसी भी प्रतिबंध को खारिज करता है। इंदौर हाई कोर्ट ने अपने कथन में यही कहा है जिन्होंने इस प्रतिबंध को लगाया था उन्होंने इसके पीछे कोई आधार या कोई प्रमाण पिछले 50 वर्ष में कभी प्रस्तुत नहीं किया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर ही तीन बार लगे प्रतिबंध निराधार व अन्याय पूर्ण होने के कारण ही बिना शर्त हटाने पड़े। आज तो मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूं कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जैसे संगठन पर तीन बार लगे प्रतिबंध और शासकीय कर्मचारियों को इसमें भाग लेने से रोकने के प्रावधान सभी दुर्भावना पूर्ण व राजनीति से प्रेरित थे जो देश का हित नहीं चाहते और जन सामान्य को राष्ट कार्य में लगने से रोकना चाहते हैं वही लोग इस प्रकार के अन्याय पूर्ण संविधान विरोधी प्रतिबंध लगा सकते हैं।

याचिकाकर्ता के अधिवक्ता मनीष नायर ने बताया कि कोर्ट ने ये माना है कि

- आरएसएस कोई राजनैतिक और सांप्रदायिक गतिविधियों को संचालित नही करती और न ही कोई राजनैतिक कार्य करती है।
- वह देश सेवा, राष्ट्र सेवा के साथ मानव सेवा के हितों का काम संचालित करती आई है।
- कोर्ट ने अपने निर्णय में ये माना है की 1966, 1970 और 1980 के कार्यालयीन निर्णय लेने कोई ठोस आधार नही था और इस कारण से उक्त आदेश असंवैधैनिक थे।
- न्यायालय ने ये भी माना की उक्त आदेश संविधान की मूलभूत अधिकारों का हनन है।
- कोर्ट ने अपने आदेश में इस बात का जिक्र किया है की किसी भी संवैधानिक अधिकार को इस तरह के कार्यालयीन आदेशों से बदल नही सकते।
- कोर्ट ने अपने आदेश में इस बात का भी संज्ञान लिया है की राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की कार्यप्रणाली और उनके उद्देश्य को समझने में केंद्र सरकार को लगभग 5 दशक का समय लग गया।
- इन 5 दशोको के समय में लाखो कर्मचारी राष्ट्रीय स्वयं सेवक और उसके कार्यों से जुड़ने में असमर्थ और वंचित रहे।
- कोर्ट ने आरएसएस की गतिविधियों को और उसके विभिन्न कार्यप्रणालियो को जैसे सेवा भारती व सरस्वती शिशु मंदिर जैसे प्रकल्पो को राष्ट्र हित और सामाजिक हित में किए जा रहे कार्य माना है और आरएसएस को एक अंतराष्ट्रीय स्तर की सेवा भावी संस्था माना है जिसमे कोई सांप्रदायिक भवन या उद्देश्य नही है और न ही कोई सामाजिक उन्हीत है।
- कोर्ट ने deptt of personal and training and ministry of Home affairs (भारत सरकार) को निर्देशित किया गया है कि इस पॉलिसी को कार्यालयीन वेब साइट के होम पेज पर सर्कुलर/ऑफिस मेमोरेंडम दिनांक 9 जुलाई 24 के विवरण के साथ प्रदर्शित किया जाय।लोगो की जानकारी एवं सूचना के लिए उक्त सर्कुलर/ऑफिस मेमोरेंडम निर्णय दिनांक से 15 दिनों की अवधि में वेब साइट पर प्रदर्शित की जाए, साथ ही यह भी निर्देशित किया है उक्त सर्कुलर/ऑफिस मेमोरेंडम को सभी विभागों में भेजने की व्यवस्था की जावे।
- कोर्ट द्वारा यह माना है कि आरएसएस किसी भी इस प्रकार की गतिविधियों में शामिल नहीं रहा है जो राष्ट्र के हितों के विपरीत हों इसके बावजूद भी 1966 से आरएसएस को प्रतिबंधित ऑर्गेनाइजेशन की सूची में रखा जाना भारतीय संविधान के विपरीत है।
- कोर्ट ने ये भी माना है की संविधान की अनुच्छेद 14 और 19 को कार्यालयीन आदेशों से नही बदला जा सकता अपितु किसी संविधानिक संशोधन से ही इसका प्रारूप बदला जा सकता है और इस कारण पूर्व मैं केंद्र के कर्मचारियों पर लगा प्रतिबंध पूर्णतः निराधार था।
- सरकार का किसी भी तरह का निर्णय अपितु किसी ठोस आधार और साक्ष्य के आधार पर होना चाहिए जिससे की किसी भी व्यक्ति के मूलभूत संवैधानिक अधिकार को उल्लंघन न हो।
- यह एक ऐतिहासिक निर्णय है जिसमे अब केंद्र सरकार के अंतर्गत आने वाले हर कर्मचारियों को उनके कार्यकाल के दौरान आरएसएस के सदस्य बनने और आरएसएस की गतिविधियों में शामिल होने का मौका मिलेगा।
- यह प्रतिबंध राज्य शासन के कर्मचारियों पर लागू नहीं था लेकिन केंद्र शासन के अंतर्गत आने वाले हर कर्मचारियों पर लागू था जो भारतीय संविधान के अनुच्छेद 14 के अंतर्गत मूलभूत अधिकारों के हनन के साथ उल्लंघन था।

बलवंत बने विधानसभा 5 के अध्यक्ष

इंदौर। हाल ही में संपन्न हुए लोकसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी का प्रदर्शन मध्यप्रदेश में भले ही फीका रहा हो किंतु अन्य राज्यों के प्रदर्शन से पार्टी ने एक अलग ही हुंकार भरी है जिससे कि कांग्रेस पार्टी ने एक फिर युवाओं और कार्यकर्ताओं में जोश भर दिया है जिसका प्रभाव इंदौर की विधानसभाओं में भी देखने को मिल रहा है। हाल ही में युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष मितेंद्र सिंह ने इंदौर की 4 विधानसभाओं के अध्यक्ष बदले हैं जिसमें एक नाम पर सबकी नज़र रही है वह है मिल क्षेत्र के युवा नेता बलवंत टटवाडे। कांग्रेस पार्टी ने कुछ दिनों पहले इंदौर की 4 विधानसभाओं में युवा कांग्रेस के अध्यक्षों की

नियुक्ति की है जिसमें कांग्रेस पार्टी ने विधानसभा 5 में बैरवा समाज के बलवंत टटवाडे को ज़िम्मेदारी सौंपी है। बलवंत टटवाडे पंचम की फेल के रहवासी है व पिछले कई वर्षों से कांग्रेस पार्टी के समर्पित कार्यकर्ता रहे है जिसका प्रतिफल उन्हें विधानसभा 5 के युवा कांग्रेस के अध्यक्ष के रूप में मिला है। ज्ञात हो कि बलवंत के पास युवाओं की बड़ी फ़ौज है साथ ही वे पूर्व मंडल अध्यक्ष के रूप में कांग्रेस पार्टी में सक्रिय भूमिका भी निभा चुके है। बलवंत की इस नियुक्ति में सत्यनारायण पटेल व अमन बजाज ने महती भूमिका निभाई है।

मिशन शक्ति के अंतर्गत महिला विधान जागरूकता सप्ताह का आयोजन

भारतीय न्याय संहिता में किये गये प्रावधानों के संबंध में जागरूक किया

इंदौर। मिशन शक्ति के अंतर्गत गठित डिस्ट्रिक्ट फॉर एंपावरमेंट ऑफ वूमेन के अन्तर्गत 100 दिवसीय जागरूकता अभियान का आयोजन किया जा रहा है। इस आयोजन के छटवे सप्ताह में महिला विधान जागरूकता सप्ताह थीम के तहत जिले में अनेक कार्यक्रम आयोजित हुए। इसमें अक्षर सामाजिक सेवा समिति की सुश्री दीपमाला यादव द्वारा सेंट पीटर हायर सेकेंडरी स्कूल में छात्र-छात्राओं को जागरूक किया गया। इसी तारतम्य में एक्रोपोलिस फैकल्टी ऑफ मैनेजमेंट एंड रिसर्च के वूमेन सेल के साथ मिलकर संस्था वासुमित्र एवं डीएचईडब्लू के संयुक्त तत्वाधान में महिला अधिकारों के कानूनी प्रावधान एवं महिला सुरक्षा विषय पर कार्यशाला का आयोजन हुआ। इसमें एमबीए की छात्राओं को कानून और कर्तव्य की जानकारी दी गई। डॉ. वंचना सिंह परिहार,महिला सशक्तिकरण अधिकारी एवं जिला मिशन समन्वयक द्वारा महिलाओं के संवैधानिक,वैधानिक,संविधिक,कानूनी,अधिकार बताए,भारतीय न्याय संहिता के महिलाओं संबंधी धाराओं की जानकारी दी गई। इस अवसर पर भारत सरकार एवं मध्यप्रदेश शासन की विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों के बारे में भी जानकारी दी गई। कार्यक्रम में वन स्टॉप सेंटर, हेल्पलाइन नंबर 181, 112 ,स्ह्स्आदि के बारे में बताया गया। कार्यक्रम में सभी छात्राओं ने पूरे उत्साह से सहभागिता करते हुए अपनी जिज्ञासा संबंधी प्रश्न भी पूछे। कार्यक्रम में संस्था से डॉक्टर तरुण कुशवाहा,डायरेक्टर, एक्रोपोलिस फैकल्टी ऑफ मैनेजमेंट एंड रिसर्च, डॉ सरिता राणा, एसोसिएट प्रोफेसर एंड वूमेन सेल कोऑर्डिनेटर, डॉ श्वेता चौधरी, असिस्टेंट प्रोफेसर एंड ओमन सेल कोऑर्डिनेटर उपस्थित रहे। वासुमित्र संस्था की सचिव एवं समन्वयक सुश्री ग्रीष्मा त्रिवेदी ने ने अहिल्या बाई होल्कर के जीवन पर प्रकाश डालते हुए महिला सशक्तिकरण के संबंध में अपने विचार व्यक्त किये।

भारतीय जनता युवा मोर्चा द्वारा मशाल यात्रा निकाली गई

इंदौर। कारगिल विजय दिवस की पूर्व संध्या के अवसर पर भारतीय जनता युवा मोर्चा द्वारा भगतसिंह प्रतिमा राजमोहल्ला से बड़ा गणपति तक मशाल यात्रा का आयोजन किया गया। यात्रा कारगिल युद्ध में भारत की विजय की स्मृति और उन वीर जवानों को श्रद्धांजलि देने के लिए निकाली गई जिन्होंने अपने प्राणों की आहुति देकर देश की रक्षा की थी। भाजयुमो के कार्यकर्ता मशाल लेकर देशभक्ति के नारों के साथ निकले। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, नगर अध्यक्ष गौरव रणदिवे एवं महामंडलेश्वर गोपाल दास महाराज ने भी मशाल को थामा और शहीदों के शौर्य को याद कर श्रद्धांजलि अर्पित की। भाजयुमो के नगर अध्यक्ष सौगात मिश्रा ने कहा कि यह यात्रा न केवल युवाओं में देशभक्ति की भावना को जागृत करने का प्रयास है, बल्कि यह भी सुनिश्चित करती है कि आने वाली पीढ़ियाँ उन वीर जवानों के बलिदान को कभी न भूलें जिन्होंने देश की संप्रभुता और अखंडता की रक्षा के लिए अपने प्राणों की बाजी लगा दी। इस अवसर पर भारतीय जनता युवा मोर्चा के नगर अध्यक्ष सौगात मिश्रा, महामंत्री धीरज ठाकुर, निक्की राय, नाना चौधरी, रजत शर्मा, अमित पालीवाल, आकाश नायक बड़ी संख्या में भारतीय जनता युवा मोर्चा के कार्यकर्ता उपस्थित थे।

आपकी शिकायत/समस्याओं में
आपका साथी
दैनिक सद्भावना पाती

शिकायत / पत्र संपादक के नाम
आप किसी समस्या, शिकायत, मुद्दे, जानकारी, गड़बड़ी, भ्रष्टाचार, नियम विरुद्ध काम आदि की शिकायत संपादक के नाम व्हाट्सएप पर भेज सकते हैं।
सर्वप्रथम आप अपने मोबाइल में सीएम हेल्पलाइन 181 एप डाउनलोड करें
और उस पर शिकायत उपरांत हमें उसका स्क्रीन शॉट और फोटो भेजें।
हम उस शिकायत को दैनिक सद्भावना पाती में प्रकाशित करेंगे और आपकी समस्या/शिकायत को शीघ्र खत्म करने का प्रयास करेंगे।
केवल व्हाट्स एपकरें, कॉल न करें।
व्हाट्स ऐप न. 9685611304
ईमेल आईडी- reporter.spnews@gmail.com
नोट :- जनहित की समस्याओं पर उचित ईनाम भी दिया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

ग्रीन स्टॉक की कीमतों में 14 प्रतिशत की उछाल, मिला है 14000 करोड़ रुपये का काम

नईदिल्ली, एजेंसी। सरकारी कंपनी एसजेवीएन लिमिटेड के शेयरों में आज करीब 14 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। कंपनी के शेयरों में यह उछाल 14,000 करोड़ रुपये का नया ऑर्डर मिलने के बाद देखने को मिली है। कंपनी को यह काम नॉर्थ-ईस्टर्न स्टेट में मिला है। बता दें, बीएसई में कंपनी के शेयर 156.75 रुपये के लेवल पर खुला था। लेकिन कुछ ही मिनटों के बाद एसजेवीएन लिमिटेड के शेयर 13.23 प्रतिशत की तेजी के साथ 159.60 रुपये के लेवल पर पहुंच गया था।

क्या है पूरा काम- एसजेवीएन लिमिटेड ने शेयर बाजारों को दी जानकारी में कहा है कि मिजोरम सरकार ने दार्जो लुई पंप भंडारण का कंपनी को सौंपा है। कंपनी को यह काम तुईवई नदी पर करना है। एसजेवीएन लिमिटेड को 2400 मेगावाट का काम मिला है। बता दें, इस प्रोजेक्ट की कुल कीमत 13,947.50 करोड़ रुपये का मिला है। एसजेवीएन लिमिटेड ने कहा है कि उन्हें 72 महीने में यह काम पूरा करना है। 3 महीने में इस डील से जुड़ी पूरी प्रक्रिया को पूरा कर लिया जाएगा। बता दें, इरेडा के साथ एसजेवीएन को 900 मेगावाट का हाइड्रो इलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट का काम नेपाल में मिला है।

2024 में कंपनी के शेयरों का भाव 67 प्रतिशत बढ़ा- इस कंपनी के शेयरों की कीमतों में इस साल अबतक 67 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। वहीं, पिछले एक साल के दौरान कंपनी के शेयरों की कीमतों में 155 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। बता दें, कंपनी में सरकार की कुल हिस्सेदारी 55 प्रतिशत की है। वहीं, पब्लिक के पास 11.83 प्रतिशत है।

मेटल कंपनियों के शेयर चमके, बैंकिंग स्टॉक लुढ़के

नईदिल्ली, एजेंसी। शेयर मार्केट में लगातार चल रही गिरावट पर आज ब्रेक के बीच मेटल कंपनियों के शेयर चमक रहे हैं। निफ्टी मेटल इंडेक्स 2.13 पर्सेंट ऊपर है और इसमें शामिल सभी 15 कंपनियों के शेयर हरे निशान पर हैं। वहीं, बैंक निफ्टी और प्राइवेट बैंक इंडेक्स लाल निशान पर हैं। ऑटो कंपनियों के शेयरों में उछाल की वजह से यह इंडेक्स 1.19 पर्सेंट ऊपर है। फाइनेंशियल सर्विसेज भी हरे निशान पर है। एनएडीसी इंडेक्स लीडर- मेटल कंपनियों की बात करें तो एनएडीसी इंडेक्स लीडर है। इसमें 3 फीसद से अधिक की बढ़त है। जिंदल स्टील, वेदांता, जेएसडब्ल्यू स्टील, वेलस्पन कॉर्प, सेल, टाटा स्टील, हिन्डाल्को और हिंद कॉपर में दो फीसद से अधिक की तेजी है। ऑटो कंपनियों की बात करें निफ्टी ऑटो इंडेक्स में शामिल 16 में से केवल 3 स्टॉक्स लाल है। अशोक लेलैंड इंडेक्स टॉपर है। इसमें 6 फीसद से अधिक की तेजी है। भारत फोर्ज में 4 फीसद से अधिक की उछाल है। टीवीएस मोटर्स में 2.76, आयशर मोटर्स में 2.25, बाल कृष्ण में 2.41 पर्सेंट की तेजी है। बजाज ऑटो, हीरो मोटोकॉर्प, महिंद्रा एंड महिंद्रा और अपोलो टायर्स में 1.21 से लेकर 1.51 पर्सेंट तक की तेजी है। गिरने वाले शेयरों एमआरएफ, टाटा मोटर्स और टाटा एमटहआरडीवीआर हैं। निफ्टी आईटी में 1.67 पर्सेंट की उछाल है तो मीडिया में 1.42 पर्सेंट की बढ़त। निफ्टी आईटी इंडेक्स में शामिल 10 में 9 कंपनियों के शेयर में तेजी है। एम्फेसिस में 5.36 पर्सेंट की उछाल है। इन्फोसिस, एलएंडटीमाइंड्ट्री, एचसीएल टेक में 2 फीसद से अधिक बढ़त है।

बजट का असर ड्राई फ्रूट्स की कीमत पर भी

नईदिल्ली, एजेंसी। इन दिनों डॉलर के मुकाबले रुपया रिकार्ड लो स्तर पर है। कल ही अमेरिकी डॉलर के मुकाबले अपना रुपया गिरावट के साथ 63.72 रुपये पर बंद हुआ। इसका असर अन्य चीजों के अलावा ड्राई फ्रूट्स पर भी दिख रहा है। इस समय बाजार में काजू, किशमिश, बादाम, अखरोट, सभी के दाम भी बढ़ गए हैं। इसकी वजह से आने वाले दिनों में मिठाइयों के दाम बढ़ने के आसार हैं। जिससे त्योहारी सीजन में लोगों की जेब ढीली हो सकती है।

इन ड्राई फ्रूट्स के पीछे महंगा डॉलर- कारोबारियों के मुताबिक, विदेशी करंसी रुपया के मुकाबले महंगी हुई है। इसके अलावा ड्राई फ्रूट्स की सप्लाई प्रभावित होने के चलते इनके दाम में तेजी आई है। उल्लेखनीय है दिल्ली के थोक ड्राई फ्रूट्स मार्केट खारी बावली में अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, ईरान, दक्षिण अफ्रीका समेत कई देशों से ड्राई फ्रूट्स की सप्लाई होती है।

काजू की बढ़ गई है डिमांड- एक कारोबारी ने बताया कि बीते 20 दिनों से काजू के साथ बादाम की डिमांड बढ़ गई है। सबसे ज्यादा डिमांड चार टुकड़े काजू

की है। इसका इस्तेमाल मिठाइयों में किया जाता है। क्योंकि त्योहारी सीजन अब शुरू होने वाला है। बड़ी-बड़ी कंपनियों जो मिठाई बनाती हैं, उन्होंने खरीदारी शुरू कर दी है। इसकी वजह से काजू के दाम में बढ़ोतरी हुई है।

दक्षिण अफ्रीका से आता है काजू- दिल्ली किराना कमिटी के अध्यक्ष नंद किशोर बंसल ने बताया

कि काजू की सप्लाई सबसे ज्यादा दक्षिण अफ्रीका से होती है। लेकिन कुछ दिनों से सप्लाई प्रभावित होने के चलते रॉ मटीरियल की कमी आई, जिससे काजू के दाम में बढ़ोतरी हुई है। ईरानी मामरा बादाम के दाम में भी बढ़ोतरी हुई है। इसके पीछे का कारण वहां करंसी में हुआ उतार-चढ़ाव है।

बाजार में क्या है भाव

रिटेल कारोबारी प्रवीन गोयल ने बताया कि इन बीते 20 दिन में 1,000 रुपये प्रति किलो के हिसाब से बिकने वाली काजू की कीमत 1,200 रुपये किलो हो गई है। ईरानी मामरा बादाम जो पहले 2,000 रुपये प्रति किलो बिकता था, उसकी कीमत अब 2,600 रुपये तक पहुंच गई है। सूत्रों का दावा है कि आने वाले दिनों में ड्राई फ्रूट्स के दाम में और तेजी आ सकती है।

रुपया कहां है

अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में गुरुवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया एक पैसे कमजोर होकर 83.72 (अस्थायी) के अपने सर्वकालिक निचले स्तर पर आ गया। विदेशी बाजार में अमेरिकी मुद्रा की मांग और भारत से विदेशी पूंजी की भारी निकासी के कारण यह गिरावट आई। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के मुताबिक घरेलू मुद्रा में यह गिरावट भारतीय शेयर बाजार में गिरावट के बाद आई है। उल्लेखनीय है कि सरकार द्वारा बजट में पूंजीगत लाभ पर कर की दर बढ़ाने की घोषणा के बाद शेयर बाजार नीचे आ रहे हैं।

कक्षा-1 में प्रवेश के नियम बदले, प्री प्राइमरी और प्राइमरी स्कूलों में एडमिशन को लेकर बड़ी राहत

शिक्षा। मध्य प्रदेश स्कूल शिक्षा विभाग ने प्री प्राइमरी और प्राइमरी स्कूलों में एडमिशन को लेकर बड़ी राहत दी है। कक्षा एक में एडमिशन की न्यूनतम आयु छह वर्ष निर्धारित है इसमें राहत देते हुए निर्देश दिया गया है कि पांच साल छह महीने का बच्चा भी अब कक्षा एक में प्रवेश में प्रवेश ले सकता है। दरअसल, अब तक मध्य प्रदेश में नर्सरी, केजी-1 और केजी-2 के साथ ही कक्षा एक में प्रवेश के लिए बेसलाइन एक अप्रैल को बनाया गया था। इस वजह से एलकेजी और यूकेजी एवं कक्षा-1 में एडमिशन को लेकर अभिभावकों को दिक्कतें हो रही थी। कक्षा-एक में प्रवेश के लिए न्यूनतम छह वर्ष का होना आवश्यक है। यदि बच्चा एलकेजी और यूकेजी पास करने के बाद एक अप्रैल को पांच साल आठ महीने का भी है तो उसे कक्षा-एक में प्रवेश नहीं दिया जा रहा था। उन्हें एक वर्ष रिपीट करवाया जा रहा था। इसमें ही संशोधन करते हुए नर्सरी, केजी-1 और केजी-2 में प्रवेश के लिए आयु की बेसलाइन को एक अप्रैल 2024 से बढ़ाकर 31 जुलाई 2024 तय किया है। इसी तरह कक्षा-एक में प्रवेश के लिए बेसलाइन को एक अप्रैल 2024 से बढ़ाकर 30 सितंबर 2024 तय किया गया

UGC Asks Universities To Organise Events For National Space Day

The Government will organise a pan-India celebration to mark the maiden National Space Day on August 23, 2024. Prime Minister Narendra Modi had officially declared August 23 as 'National Space Day' to commemorate the successful launch of Chandrayaan-3. The celebrations are being organised with an aim to engage and inspire the youth towards space technology and its applications. This year's theme will be "Touching Lives while Touching the Moon: India's Space Saga."

As per the official notification by the UGC, "The celebrations will initially begin with one-day conference/workshop/exhibition, known as the Space Ideathon in universities/colleges to foster innovative ideas. Additionally, the Department of Space is organising the Bhartiya Antriksh Hackathon, ISRO Robotics Challenge, and zonal-level events showcasing the achievements of Chandrayaan-3's successful lunar landing. This will be followed by pre-event functions on the August 22 and August 23 at Bharat Mandapam, New Delhi."

Bharathiya Antariksh Hackathon: A national level hackathon will be organised by ISRO wherein various problem statements will be announced to the students and they would be encouraged to come up with innovative ideas. Based on the responses received, teams will be shortlisted to participate in finale at selected centres. Students who excel in finale will be offered internships at ISRO Centres. The top three winners of the Hackathon will be invited to demonstrate the applications during the National Space Day celebration on August 23, 2024.

ISRO Robotics Challenge: Being organised to provide the opportunity for the students in the area of space robotics, with a tagline of 'Let's build a space robot'. The challenge consists of an engineering project where the institutional teams build robots to compete in an extra-terrestrial-inspired arena, performing tasks based on the real-life challenges faced by space robotics. The top three winners of the Robotics Challenge will be invited to demonstrate the projects during the National Space Day Celebration on August 23, 2024.

The UGC has asked the Universities and Higher Education Institutions (HEIs) to organise conferences, workshops, exhibitions, and Space Ideathon and encourage their students to participate in the Bhartiya Antriksh Hackathon and ISRO Robotics Challenge. The HEIs are also requested to share the activities undertaken by their respective institutions in the University Activity Monitoring Portal (UAMP) through the Google form available on the UGC website.

CA Foundation Exam Results To Be Announced On July 29

The Institute of Chartered Accountants of India (ICAI) will announce the results of the Chartered Accountancy Foundation exam on July 29, 2024. The results for the exam will be announced by late evening on July 29, 2024. Candidates who appeared in the exam will be able to check the results on the official website of ICAI. They will be required to enter their registration number and roll number to access the results. An official notification by ICAI reads, "The result of the Chartered Accountants Foundation Examination held in June 2024 is likely to be declared on Monday, (Late evening) the 29th July 2024 and the same can be accessed by candidates on the website icai.nic.in. It may be noted that for accessing the result at the above mentioned website the candidate shall have to enter his/her registration number along with his/her roll number."

CA foundation exam was held on June 20, 22, 24, and 26. The exam for each paper was conducted for three hours in a single session from 2pm and 5pm. ICAI announced the results for the Chartered Accountancy (CA) Final and Inter exam on July 14, 2024. Around 20,446 candidates qualified the CA Final exam held in May 2024. Shivam Mishra from New Delhi secured the top rank in the CA Final with a score of 83.33 per cent. Varsha Arora from Delhi is the second rank holder with a score of 80 per cent and 480 marks. The third rank is mutually achieved by Kiran Rajendra Singh Manral and Ghilman Saalim Ansari from Mumbai.

Kushagra Roy from Bhiwadi topped the CA Intermediate exam with a score of 89.67 per cent.

भारत सीरम्स एंड वैक्सीन्स का अधिग्रहण करेगी मैनकाइंड फार्मा; 13,630 करोड़ में फाइनल हुई डील

नईदिल्ली, एजेंसी। मैनकाइंड फार्मा और भारत सीरम्स एंड वैक्सीन्स को लेकर चल रही बातचीत आखिरकार फाइनल हो गई है। मैनकाइंड फार्मा एडवेंट इंटरनेशनल से भारत सीरम्स एंड वैक्सीन्स का पूर्ण अधिग्रहण करेगी। इसके लिए 13, 630 करोड़ रुपये में डील फाइनल हुई है।

कंपनी ने बृहस्पतिवार को एक बयान जारी कर बताया कि मैनकाइंड फार्मा 13,630 करोड़ रुपये में भारत सीरम्स एंड वैक्सीन्स का अधिग्रहण करेगी। कंपनी ने लगभग 13,630 करोड़ रुपये में भारत सीरम्स एंड वैक्सीन्स (बीएसवी) में 100 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने के समझौते को अंतिम रूप दिया है। यह रणनीतिक कदम दवा निर्माता के लिए अहम माना जा रहा है। इससे उसे भारतीय महिला स्वास्थ्य और प्रजनन दवा बाजार में अग्रणी बनकर उभरने में मदद मिलेगी।

मनीकंट्रोल ने रिपोर्ट दी थी कि मैनकाइंड फार्मा इक्विटी-एडीआईए कंसोर्टियम से आगे निकल गई है और मेगा डील के लिए अग्रणी धावक के रूप में उभरी है। मनीकंट्रोल क्रमशः 2 और 20 दिसंबर को भारत सीरम्स की बिक्री योजनाओं और सेल-साइड सलाहकारों की नियुक्ति की रिपोर्ट करने वाला पहला व्यक्ति था।

डील फाइनल होने के बाद, मैनकाइंड फार्मा के उपाध्यक्ष और प्रबंध निदेशक राजीव जुनेजा ने कहा, बीएसवी का अधिग्रहण मानव जाति की यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर दर्शाता है, जो हमें भारतीय महिलाओं के स्वास्थ्य और प्रजनन क्षेत्र में बाजार के अग्रणी के रूप में स्थापित करता है। हमारा मानना है कि महिलाओं के स्वास्थ्य और प्रजनन क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर मजबूत विकास दृश्यता के साथ-साथ

संरचनात्मक टेलविंड के नेतृत्व में बड़े पैमाने पर अवसर हैं।

वहीं, बीएसवी के सीईओ और प्रबंध निदेशक संजीव नवांगुल ने कहा, यह अधिग्रहण अत्याधुनिक उत्पाद लाने और भारत के साथ दुनियाभर में लाखों मरीजों तक हमारी पहुंच बढ़ाने की हमारी प्रतिबद्धता को मजबूत करता है। हमें उन कुछ भारतीय कंपनियों में से एक होने पर गर्व है, जिनके पास अपनी तरह के पहले स्वदेशी रूप से विकसित जटिल उपचार हैं, जिन्होंने मरीजों को बेहतर परिणाम दिए हैं।

बीएसएनएल से जुड़े 27 लाख से ज्यादा नए ग्राहक, तगड़ा फायदा करा सकते हैं 4 शेयर

नईदिल्ली, एजेंसी। जब से जियो, एयरटेल और वोडाफोन आइडिया ने अपने टैरिफ प्लान को बढ़ाया है उसके बाद से ही बीएसएनएल के सिम की मांग बढ़ गई है। इन प्राइवेट कंपनियों ने कीमतों में 11 से 25 प्रतिशत तक का किया है। वहीं, दूसरी तरफ सरकारी कंपनी बीएसएनएल की कीमतें स्थिर हैं। इसका फायदा भी अब बीएसएनएल को मिल रहा है। बीएसएनएल ने 27 लाख ग्राहक जोड़े हैं। बीएसएनएल से नए ग्राहक जुड़ने से इन 4 कंपनियों के शेयरों में तेजी देखने को मिल सकती है।

1- तेजस नेटवर्क - कंपनी को बीएसएनएल ने अबतक का सबसे बड़ा ऑर्डर दिया है। मई के महीने में बीएसएनएल ने टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज की अगुवाई वाले कंसोर्टियम को 4जी नेटवर्क लगाने के लिए 15,000 करोड़ रुपये का काम दिया है। तेजस नेटवर्क इसी कंसोर्टियम का हिस्सा है। शुक्रवार को कंपनी के शेयर बीएसई में 1295.20 रुपये के लेवल पर थे। पिछले 6 महीने के दौरान कंपनी के शेयरों की कीमतों में 67 प्रतिशत

की तेजी देखने को मिली है। बता दें, कंपनी के लिए वित्त वर्ष की आखिरी तिमाही भी शानदार रही है। इस दौरान कंपनी को 1.47 अरब रुपये का मुनाफा हुआ है। जोकि सालाना आधार 168 प्रतिशत अधिक है।

2-हिमाचल फ्यूचरिस्टिक कम्युनिकेशंस लिमिटेड - हिमाचल फ्यूचरिस्टिक कम्युनिकेशंस लिमिटेड को देश भर में ऑप्टिकल ट्रांसपोर्ट नेटवर्क अपग्रेड करने के लिए 11.3 अरब रुपये का काम मिला है। देश भर में ब्राडबैंड की बढ़ती मांग को देखते हुए इस कंपनी की भूमिका काफी अहम हो जाती है। पिछले एक साल में कंपनी के शेयरों की कीमतों में 83 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। बता दें, शुक्रवार को कंपनी के शेयरों का भाव 121 रुपये के लेवल पर था।

3- टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज - टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और बीएसएनएल ने 1000 गांवों में 4जी सर्विसेज पहुंचाने के लिए 15,000 करोड़ रुपये का समझौता किया है। दोनों कंपनियों मिलकर गांव में हाई स्पीड इंटरनेट पहुंचाना चाहती हैं। साथ ही जियो और एयरेटल के लिए एक बेहतर विकल्प खड़ा करने की कोशिश कर रही हैं। एशिया की सबसे बड़ी आईटी कंपनी के शेयर शुक्रवार 4389.95 रुपये के लेवल पर ट्रेड कर रहे थे। पिछले एक साल में कंपनी के शेयरों की कीमतों में 29 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है।

4- एमटीएनएल शेयर प्राइस - कुछ रिपोर्ट्स से ये बात सामने आ रही है कि सरकार एमटीएनएल का ऑपरेशन बीएसएनएल को देना चाह रही है। इसे बीएसएनएल को फिर से नए तरीके से खड़ा करने के तौर पर देखा जा रहा है। इन्ही चर्चाओं ने एमटीएनएल के शेयरों में तेजी लाई है। शुक्रवार को कंपनी के शेयरों में 5 प्रतिशत का अपर सर्किट लगा है। जिसके बाद बीएसई में कंपनी के शेयर 97.08 रुपये के लेवल पर पहुंच गए।

IGNOU Introduces Bachelor Of Arts In Micro Small And Medium Enterprises Program

The Indira Gandhi National Open University (IGNOU) has introduced the Bachelor of Arts in Micro Small and Medium Enterprises (BAMSME) program through its School of Vocational Education and Training (SOVET). Enrollment for the program is underway for the July 2024 session. IGNOU states that this new course is provided via Open and Distance Learning (ODL) and is specifically designed to cater to aspiring entrepreneurs' educational and skill development needs, especially those who have completed their 10+2 education.

According to the press release, the BAMSME program aims to prepare students with the necessary knowledge and skills to successfully establish and manage new business ventures. In addition to meeting the growing need for new business formation, job creation, and economic development in the nation, this program provides university-level education in entrepreneurship. The course duration is a minimum of 3 years (six semesters) and can be extended up to 6 years. The total credit requirement for the course is 120 credits (20 credits per semester).

Business Operations:

Enable the successful and profitable operation of business enterprises, covering areas such as Finance and Marketing.

Managerial Skills:

Develop managerial skills and enhance interpersonal and leadership abilities for self-empowerment and the empowerment of others.

Innovative Approach:

Offer an innovative and competency-based approach to entrepreneurship.

IGNOU states that the BAMSME program is a major addition to the University's vocational education offerings, designed to develop the next generation of entrepreneurs who will contribute to the nation's economic growth.

कामिका एकादशी के दिन करें ये उपाय, हर कामना होगी पूरी

पंचांग के अनुसार, साल में कुल 24 एकादशी तिथियां पड़ती हैं। इन्हीं में से एक है श्रावण माह के कृष्ण पक्ष की कामिका एकादशी जो इस बार 31 जुलाई, दिन बुधवार की पड़ रही है। कामिका एकादशी के दिन भगवान विष्णु की पूजा करने से सभी कामनाओं की पूर्ति होती है।

हिन्दू धर्म में एकादशी तिथि का बहुत महत्व माना जाता है। पंचांग के अनुसार, साल में कुल 24 एकादशी तिथियां पड़ती हैं। इन्हीं में से एक है श्रावण माह के कृष्ण पक्ष की कामिका एकादशी जो इस बार 31 जुलाई, दिन बुधवार की पड़ रही है। कामिका एकादशी के दिन भगवान विष्णु की पूजा करने से सभी कामनाओं की पूर्ति होती है। वहीं, ज्योतिष शास्त्र में भी बताया गया है कि इस एकादशी के अवसर पर कुछ ज्योतिष उपाय जरूर करने चाहिए जिससे आप अनेकों लाभ पा सकते हैं। ऐसे में ज्योतिषाचार्य राधाकांत वत्स से आइये जानते हैं कामिका एकादशी के उपायों के बारे में विस्तार से।

धन लाभ के उपाय

कामिका एकादशी के दिन 5 कौड़ियां लें और उन कौड़ियों को लाला कपड़े में बांधकर भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी के सामने अर्पित करें। फिर इसके बाद कौड़ियों को घर की तिजोरी में रख दें। इससे धन लाभ के योग बनेंगे और आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

कामना पूर्ति के उपाय

भगवान विष्णु के बीज मंत्र ऊँ नमो: नारायणाय नम: का 108 बार संकल्प के साथ कामिका एकादशी के दिन जाप करें। संकल्प के साथ इस मंत्र का जाप करने से भगवान विष्णु की कृपा होगी और आपकी इच्छाएं पूरी हो जाएंगी। आपके काम बनने लग जाएंगे।

वैवाहिक जीवन के उपाय

गुलाब या कमल के 2 फूल लेकर उन्हें कलावे से बांधें और उसमें 7 गांठ लगाएं। फिर उस गुलाब या कमल के जोड़े को भगवान विष्णु के चरणों में रखें। इससे आपके वैवाहिक जीवन का क्लेश दूर होगा। पति-पत्नी के बीच रिश्ता मधुर बनेगा और संतान प्राप्ति के योग बनेंगे।

ग्रह दोष मुक्ति के उपाय

कामिका एकादशी के दिन पीले रेशमी कपड़े में 9 सुपारी रखें और उन सुपारियों पर अक्षत एवं रोली लगाएं। इसके बाद गांठ बांधकर घर की पूर्व दिशा में टांग दें। इससे ग्रह दोष दूर होगा। ग्रह शांत होकर कृपा बरसाएंगे और ग्रहों द्वारा आपको शुभ परिणाम नजर आएंगे।

सावन की पहली एकादशी कामिका एकादशी कब है, पूजा का शुभ मुहूर्त और महत्व

हिंदू धर्म में एकादशी तिथि का विशेष महत्व है। इस दिन भगवान विष्णु की पूजा विधिवत रूप से करने का विधान है। ऐसा करने से व्यक्ति के सौभाग्य में वृद्धि हो सकती है। साथ ही व्यक्ति के जीवन में चल रही परेशानियां दूर हो जाती है।

पंचांग के हिसाब से हर साल सावन माह के कृष्ण पक्ष की दशमी तिथि के अगले दिन कामिका एकादशी मनाने की परंपरा है। यह एकादशी तिथि भगवान विष्णु को समर्पित है। इस दिन भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की पूजा विधिवत रूप से करने का विधान है। इस दिन व्रत रखने से व्यक्ति को समस्त पापों से छुटकारा मिल जाता है। साथ ही सभी मनोकामनाएं सिद्ध हो जाती है। अब ऐसे में सावन की पहली एकादशी यानी कि कामिका एकादशी कब पड़ रही है, शुभ मुहूर्त क्या है और एकादशी तिथि का महत्व क्या है। इसके बारे में ज्योतिषाचार्य पंडित अरविंद त्रिपाठी से विस्तार से जानते हैं।

कामिका एकादशी कब है

हिंदू पंचांग के अनुसार सावन माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि 30 जुलाई को संध्याकाल 04 बजकर 44 मिनट से शुरू होगी और अगले दिन यानी कि 31 जुलाई को संध्याकाल 03 बजकर 55 मिनट पर समाप्त होगी। बता दें, हिंदू धर्म में व्रत और त्योहार के लिए सूर्योदय के बाद से तिथि की गणना की जाती है। इसलिए तिथि के हिसाब से 31 जुलाई को सावन माह की पहली एकादशी मनाई जाएगी।

पूजा का शुभ मुहूर्त क्या है?

शास्त्र के हिसाब से भगवान विष्णु की पूजा प्रात: काल में करने की मान्यता है। इसलिए साधक 31 जुलाई को सुबह 05.32 से सुबह 07.23 मिनट के बीच भगवान विष्णु की पूजा-पाठ विधिवत रूप से कर सकते हैं। इससे व्यक्ति को उत्तम फलों की प्राप्ति हो सकती है।

कामिका एकादशी के बन रहे हैं शुभ योग

कामिका एकादशी के दिन ध्रुव योग बन रहा है। यह योग दोपहर 02 बजकर 14 मिनट तक है। ज्योतिष शास्त्र में ध्रुव योग को बेहद शुभ माना जाता है। इस योग में भगवान विष्णु की पूजा करने से साधकों को मनोवांछित फलों की प्राप्ति हो सकती है। साथ ही शुभ कार्यों में सिद्धि प्राप्त होती है। इस दिन सर्वार्थ सिद्धि योग का भी संयोग बन रहा है। सर्वार्थ सिद्धि योग दिन भर है।

कामिका एकादशी व्रत का महत्व क्या है?

कामिका एकादशी के दिन जो व्यक्ति व्रत रखता है। उसे सभी पापों से छुटकारा मिल सकता है। इस व्रत को करने से जीवन के समस्त कष्टों से मुक्ति मिलती है। इस व्रत को करने से भगवान विष्णु की कृपा प्राप्त होती है और मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। बता दे, सावन के महीने में यह एकादशी व्रत पड़ता है। जिसका कारण इस एकादशी का महत्व अधिक बढ़ जाता है। इस एकादशी तिथि के दिन भगवान विष्णु के साथ-साथ भगवान

शिव का आराधना करने से हर बिगड़े काम बन जाते हैं।

कामिका एकादशी के दिन भगवान विष्णु को लगाएं ये भोग, घर में बनी रहेगी बरकत

हिन्दू धर्म में एकादशी तिथि का बहुत महत्व माना जाता है। पंचांग के अनुसार, साल में कुल 24 एकादशी तिथियां पड़ती हैं। इन्हीं में से एक है श्रावण माह के कृष्ण पक्ष की कामिका एकादशी जो इस बार 31 जुलाई, दिन बुधवार को पड़ रही है। कामिका एकादशी के दिन भगवान विष्णु की पूजा का विधान है। मान्यता है कि सावन में आने के कारण इस एकादशी का महत्व और भी बढ़ जाता है। भगवान शिव ही इस एकादशी का फल प्रदान करते हैं। ज्योतिषाचार्य राधाकांत वत्स ने हमें बताया कि सावन की कामिका एकादशी के दिन भगवान विष्णु की जो भी पूजा हम करते हैं वो भगवान शिव के भाग में जाती है, उसे भगवान शिव स्वीकार करते हैं। ठीक ऐसे ही भगवान विष्णु को लगाया भोग भी शिव जी द्वारा सी ग्रहण किया जाता है। ऐसे में आइये जानते हैं कि कामिका एकादशी के दिन भगवान विष्णु को कौन सी चीजों का भोग लगाना चाहिए और क्या है उससे मिलने वाले अद्भुत लाभ।

कामिका एकादशी के दिन भगवान विष्णु को लड्डुओं का भोग लगाना चाहिए। बेसन या बूंदी से बने लड्डू भगवान विष्णु को प्रिय हैं। इसके अलावा, भगवान विष्णु को खीर का भोग लगाना भी शुभ माना जाता है। हालांकि एकादशी के दिन चावल का प्रयोग वर्जित माना गया है। ऐसे में मखाने की खीर का भोग लगा सकते हैं या फिर आप चाहें तो मखानों को भून कर भी भोग में भगवान विष्णु को अर्पित कर सकते हैं। भगवान विष्णु को कामिका एकादशी के दिन मालपुए या घेवर का भोग भी लगाया जा सकता है। ऐसा माना जाता है कि जब भी कोई नया मौसम शुरु होता है तो उस मौसम के फल या मिठाई का भोग अवश्य लगाना चाहिए। अभी घेवर का समय चल रहा है। ऐसे में आप कामिका एकादशी के दिन भगवान विष्णु को घेवर का भोग लगा सकते हैं। साथ ही, मालपुए का भोग भी भगवान विष्णु को चढ़ा सकते हैं। मालपुआ श्री हरि को प्रिय है।

सावन में कांवड़ का है विशेष महत्व, कितने तरह की होती है ये यात्रा

सावन मास के प्रारंभ होने के साथ-साथ कांवड़ यात्रा भी शुरू हो जाती है। कांवड़ यात्रा में कांवड़िया गंगा नदी में स्नान कर लोटे में जल भरकर से शिव मंदिर में सावन शिवरात्रि के दिन अभिषेक करते हैं। कांवड़िया भगवान शिव से प्रार्थना कर आशीर्वाद मांगते हैं, इस कांवड़ यात्रा को लेकर यह मान्यता है कि भगवान शिव कांवड़िया की सभी इच्छाएं पूरी करते हैं।

कितने प्रकार की होती है कांवड़ यात्रा

सामान्य कांवड़ यात्रा

सामान्य कांवड़ यात्रा में शिव भक्त चलते-चलते जब थक जाते हैं तो बीच-बीच में आराम कर सकते हैं। आराम के दौरान कांवड़ियों को इस बात का खास ध्यान देना पड़ता है कि कांवड़ बीच में जमीन पर न रखें। कांवड़िया अपने साथ स्टैंड लेकर चलते हैं, साथ ही वे कांवड़ को किसी पेड़ की डाल पर भी टांग देते हैं।

डाक कांवड़ यात्रा

डाक कांवड़ यात्रा में कांवड़िया विश्राम नहीं करता है। जब वह पवित्र नदी से स्नान कर जल भरता है तब वह सीधा मंदिर में जाकर रुकता है। डाक कांवड़ यात्रा करने वाले कांवड़िया बीच में किसी भी चीज के लिए नहीं रुकते और उनकी यात्रा को सरल बनाने के लिए मार्ग में कई तरह की उचित व्यवस्था की जाती है।

खड़ी कांवड़ यात्रा

खड़ी कांवड़ यात्रा में साधक कांवड़ लेकर चलते हैं। इस खड़ी कांवड़ यात्रा में 2-3 लोग साथ में चलते हैं, जिसमें एक के थकने पर दूसरे लोग कांवड़ लेकर साधक की यात्रा पूरी करने में सहायता करते हैं।

दांडी कांवड़ यात्रा

कांवड़ यात्रा के सभी प्रकारों में दांडी कांवड़ यात्रा सबसे कठिन मानी गई है। इस दांडी कांवड़ यात्रा में कांवड़िया पवित्र नदी से स्नान कर जल भरता है और मंदिर तक दंडवती करते हुए पहुंचता है। इस यात्रा में सबसे ज्यादा समय लगता है।

कौन सी कांवड़ यात्रा है सबसे सरल और सबसे कठिन

सबसे सरल की बात करें तो सामान्य कांवड़ यात्रा सबसे सरल है। इस यात्रा में कांवड़िया बीच-बीच में कांवड़ को स्टैंड पर रखकर आराम कर सकता है। वहीं दांडी कांवड़िया कांवड़ यात्रा के सभी प्रकार में सबसे ज्यादा कठिन है। इस कांवड़ यात्रा में कांवड़िया दंडवती करते हुए भगवान शिव को कांवड़ का जल अर्पित करता है।

यात्रा के दौरान कांवड़ को जमीन में क्यों नहीं रखना चाहिए?

सावन मास में कांवड़ यात्रा का विशेष महत्व है, इस माह में कांवड़िया कांवड़ में जल भरकर शिव जी का अभिषेक करते हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि कांवड़ को जमीन पर क्यों नहीं रखते? कांवड़ को जमीन में नहीं रखने के पीछे एक धार्मिक मान्यता है। इस मान्यता के अनुसार कांवड़ियों का मानना है कि कांवड़ भगवान शिव का स्वरूप है, जिसे कभी भी जमीन में रखकर उसका अपमान नहीं करना चाहते हैं। इसके अलावा कांवड़ में भरा हुआ जल भगवान शिव को चढ़ता है, ऐसे में कांवड़िया जमीन पर रखे हुए जल को भगवान शिव के ऊपर नहीं चढ़ाते हैं। जिस मार्ग में कांवड़िया विश्राम के लिए रुकते हैं, उस स्थान में कावड़िया स्टैंड या पेड़ पर कांवड़ को रखते हैं, ताकि कांवड़ जमीन को स्पर्श न हो।

सावन में रुद्राभिषेक के लिए पांच दिन हैं उत्तम... राहु, केतु और शनि भी हो जाएंगे शांत

भगवान शंकर के प्रिय माह सावन में शिवलिंग पर रुद्राभिषेक करने से कई विपदाओं से मुक्ति मिलती है। रुद्राभिषेक करने से उत्तम फलों की प्राप्ति होती है। शास्त्रों में भी रुद्राभिषेक का वर्णन किया गया है। रुद्राभिषेक करने से घर में शांति बनी रहती है और ग्रहों का बुरा प्रभाव भी कम होता है। सावन महीने की शुरुआत हो चुकी है। यह माह 22 जुलाई से शुरू होकर 19 अगस्त तक चलने वाला है। इस पूरे महीने शिवालयों में भक्तों की भारी भीड़ देखने को मिलती है। कहा जाता है कि इस माह भगवान शिव को प्रसन्न करना आसान होता है। सावन के महीने में कांवड़ यात्रा भी निकाली जाती है। कांवड़ यात्री पवित्र नदियों से जल भरकर अपने कांवड़ में लाते हैं और अपने आसपास के शिवालयों में शिवलिंग का अभिषेक करते हैं।

रुद्राभिषेक करने की सही तिथि

सावन में रुद्राभिषेक का खास महत्व होता है। लेकिन किस दिन रुद्राभिषेक किया जाना चाहिए, इसे लेकर कन्फ्यूजन बना रहता है। आइए, जानते हैं कि सावन में रुद्राभिषेक के लिए उत्तम दिन कौन-सा है। सावन के महीने में रुद्राभिषेक करने से भगवान शिव प्रसन्न होते हैं। शिवलिंग का अभिषेक तो किया ही जाता है, लेकिन रुद्राभिषेक करने के खास महत्व होता है। कहा जाता है कि इससे जीवन में चल रही परेशानियां दूर हो जाती हैं। इस बार सावन के महीने में ऐसी कई शुभ तिथियां आने वाली हैं, जिस दिन रुद्राभिषेक किया जा सकता है।

सावन में इस दिन करें रुद्राभिषेक

सावन शिवरात्रि का दिन भगवान शिव के रुद्राभिषेक के लिए काफी खास माना जाता है। इस दिन व्रत रखना चाहिए। इस दिन शिव जी की विधि-विधान से पूजा करनी चाहिए। इस साल 2 अगस्त 2024 को सावन शिवरात्रि पड़ रही है।सावन माह की शिवरात्रि और सोमवार के साथ-साथ नागपंचमी पर भी रुद्राभिषेक करने से शुभ फलों की प्राप्ति होती है। इस दिन रुद्राभिषेक करना बहुत शुभ माना जाता है।

इस साल सावन मास में नागपंचमी पर्व 9 अगस्त 2024 को मनाया जाने वाला है।

सावन सोमवार का दिन भी रुद्राभिषेक के लिए उत्तम होता है। इस बार सावन का दूसरा सोमवार 29 जुलाई को पड़ रहा है। सावन का तीसरा सोमवार 5 अगस्त, चौथा सोमवार 12 अगस्त और पांचवां सोमवार 19 अगस्त को पड़ रहा है।

शास्त्रों में मिलता है रुद्राभिषेक का वर्णन

इन सभी तिथियों पर शिवजी का रुद्राभिषेक करने से जीवन में शुभ परिणाम प्राप्त होते हैं। साथ ही कोई बड़ी सफलता प्राप्त होती है। ऐसे परिवार पर हमेशा भगवान शिव की कृपा बनी रहती है। कहा जाता है कि रुद्राभिषेक करने से रोगों से छुटकारा मिलता है। इतना ही नहीं, इससे सभी मनोकामनाएं भी पूरी होती हैं। यदि आप सावन शिवरात्रि, सावन सोमवार या सावन प्रदोष के दिन रुद्राभिषेक विधि-विधान से करेंगे, तो आपको चमत्कारिक बदलाव देखने को मिलेंगे। शास्त्रों में रुद्राभिषेक को शिव जी को प्रसन्न करने का रामबाण उपाय बताया गया है भगवान शंकर के प्रिय माह सावन में शिवलिंग पर रुद्राभिषेक करने से कई विपदाओं से मुक्ति मिलती है। रुद्राभिषेक करने से उत्तम फलों की प्राप्ति होती है। शास्त्रों में भी रुद्राभिषेक का वर्णन किया गया है। रुद्राभिषेक करने से घर में शांति बनी रहती है और ग्रहों का बुरा प्रभाव भी कम होता है।

कोहली बन सकते हैं इंटरनेशनल क्रिकेट में तीसरे नंबर पर सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज

इंडिया वर्सेस श्रीलंका

खतरे में पोंटिंग का रिकॉर्ड

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम अभी श्रीलंका दौरे पर है जहां उसे मेजबान देश के साथ 3 मैचों की टी20 सीरीज और फिर इतने ही मैचों की वनडे सीरीज में हिस्सा लेना है।

भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं ऐसे में वो श्रीलंका के खिलाफ सिर्फ वनडे सीरीज में हिस्सा लेंगे जिसकी शुरुआत 2 अगस्त से होगी। इस वनडे सीरीज में विराट कोहली के पास एक शानदार रिकॉर्ड अपने नाम करने का मौका होगा साथ ही रिकी पोंटिंग का रिकॉर्ड तोड़ने का भी उनके पास बेहतरीन मौका होगा। श्रीलंका के खिलाफ वनडे प्रारूप में कोहली का प्रदर्शन अब तक शानदार रहा है और तीन मैचों की वनडे सीरीज के दौरान उनके पास इंटरनेशनल क्रिकेट में नंबर 3 पर बल्लेबाजी करते हुए सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले खिलाड़ी बनने का सुनहरा अवसर है।

विराट कोहली ने अब तक इंटरनेशनल क्रिकेट में नंबर 3 पर बल्लेबाजी करते हुए कुल 214 छक्के लगाए हैं और श्रीलंका के खिलाफ वनडे सीरीज के दौरान अगर वो 4 छक्के लगा देते हैं तो रिकी पोंटिंग का रिकॉर्ड तोड़ देंगे। दरअसल इंटरनेशनल क्रिकेट में नंबर पर पर खेलते हुए सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकॉर्ड रिकी पोंटिंग के नाम पर दर्ज है। पोंटिंग ने इस नंबर पर खेलते हुए 462 मैचों में कुल 217 छक्के लगाए थे। वहीं कोहली 214 छक्कों के साथ दूसरे नंबर पर हैं और अगर वो 4 छक्के जड़ देते हैं तो पोंटिंग को पीछे छोड़ देंगे और इंटरनेशनल क्रिकेट में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए सबसे ज्यादा सिक्स जड़ने वाले बल्लेबाज बन जाएंगे। इस लिस्ट में तीसरे नंबर पर कुमार संगकारा हैं जिन्होंने तीसरे नंबर पर खेलते हुए 392 मैचों में 131 सिक्स लगाए थे।

तीसरे नंबर पर इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा सिक्स जड़ने वाले बल्लेबाज

रिकी पोंटिंग – 217 छक्के
विराट कोहली – 214 छक्के
कुमार संगकारा – 131 छक्के
केन विलियमसन – 113 छक्के
जैक कैलिस – 106 छक्के

पेरिस ओलंपिक 2024

आर्चरी में भारतीय पुरुष टीम का कमाल, डायरेक्ट क्वार्टर फाइनल में मारी एंट्री

नईदिल्ली, एजेंसी। पेरिस ओलंपिक 2024 में आर्चरी में भारत की पुरुष और महिला टीमों ने बहुत ही धमाकेदार प्रदर्शन किया है और टीम इवेंट में क्वार्टरफाइनल में जगह पक्की कर ली है। भारत के लिए धीरज बोम्मदेवरा, तरूणदीप राय, प्रवीण जाधव ने अच्छा खेल दिखाया और सटीक निशाने लगाए।

तीसरे नंबर पर रही भारतीय पुरुष टीम

आर्चरी के रैंकिंग राउंड में भारती पुरुष टीम तीसरे नंबर रही है। टीम ने कुल 2013 अंक का स्कोर किया है। भारत के लिए धीरज बोम्मदेवरा ने 681 व्यक्तिगत स्कोर, तरूणदीप राय ने 674 व्यक्तिगत स्कोर, प्रवीण जाधव ने 658 व्यक्तिगत स्कोर हासिल किया है। इसी वजह से भारत का कुल स्कोर 2013 हो गया है और भारतीय पुरुष टीम को क्वार्टर फाइनल में जगह मिल गई है।

रिपब्लिक ऑफ कोरिया की टीम पहले नंबर पर है। टीम ने 2049 का स्कोर किया है। वहीं 2025 स्कोर के साथ फ्रांस की टीम दूसरे नंबर पर रही है। चीन ने 1998 का स्कोर किया है। चीन की टीम चौथे नंबर पर है। अब आर्चरी में भारत, रिपब्लिक ऑफ कोरिया, फ्रांस और चीन ने क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है।

आर्चरी के रैंकिंग राउंड में पुरुष टीमों का स्कोर-

दक्षिण कोरिया - 2049 अंक
फ्रांस - 2025 अंक
भारत - 2013 अंक
चीन - 1998 अंक

भारत के पुरुष तीरंदाजों का व्यक्तिगत स्को-

बोम्मदेवरा धीरज (681 अंक) - चौथा स्थान
तरूणदीप राय (674 अंक) - 14वें स्थान पर
प्रवीण जाधव (658 अंक) - 39वें स्थान पर

आर्चरी के मिक्सड इवेंट में प्री-क्वार्टर फाइनल में भारतीय टीम

धीरज बोम्मदेवरा ने 681 अंक और अंकिता भकत ने 666 अंक जोड़े। इस तरह भारतीय मिक्सड इवेंट में 1347 अंकों के साथ पांचवें नंबर पर रही है। मिश्रित स्पर्धा के राउंड 16 में भारत का मुकाबला इंडोनेशिया से होगा और क्वार्टर फाइनल राउंड में संभावित रूप से भारत का सामना चीन से हो सकता है।

एशिया कप 2024

भारत ने बांग्लादेश को 10 विकेट से हराया

- शान के साथ किया फाइनल में प्रवेश

नईदिल्ली, एजेंसी। महिला टी20 एशिया कप 2024 का पहला सेमीफाइनल भारत और बांग्लादेश की टीमों के बीच दाम्बुला के रंगिरी दाम्बुला इंटरनेशनल स्टेडियम पर खेला जा रहा है। बांग्लादेश ने भारत को जीत के लिए 81 रन का लक्ष्य दिया है। भारत की सधी हुई गेंदबाजी के कारण बांग्लादेश की टीम 20 ओवर में 8 विकेट पर सिर्फ 80 रन ही बना पाई। बांग्लादेश की ओर से निगार सुल्ताना और शोर्ना अख्तर ही दहाई का आंकड़ा छू पाई। निगार सुल्ताना ने 32 रन बनाए। शोर्ना अख्तर 19 रन बनाकर नाबाद रहीं।

निगार सुल्ताना महिला एशिया कप 2024 में पहली बार आउट हुईं। भारत की ओर से रेणुका सिंह ठाकुर ने 4 ओवर में 10 रन और राधा यादव ने 4 ओवर में 14 रन देकर 3-3 विकेट लिए। रेणुका और राधा दोनों ने अपने स्पेल का आखिरी ओवर मेडन डाला। इससे पहले बांग्लादेश ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी चुनी। उसने अपनी प्लेइंग इलेवन में एक बदलाव किया। भारत की प्लेइंग इलेवन में 3 बदलाव हैं। दयालन हेमलता, एस संजना, अरुंधति रेड्डी की जगह उमा छेत्री, हरमनप्रीत कौर और पूजा वस्त्राकर प्लेइंग इलेवन का हिस्सा हैं।

पिछले मैच में हरमनप्रीत कौर की जगह स्मृति मंधाना ने भारतीय टीम की कमान संभाली थी। जवाब में इंडिया ने बिना विकेट खोए 11 ओवर में 83 रन बनाकर यह मैच 10 विकेट से जीत लिया। मंधाना 55 एवं सेफाली वर्मा 26 रन बनाकर नाबाद रहीं।

चैंपियंस ट्रॉफी से पहले टीम इंडिया के लिए पाकिस्तान से आया अनोखा बयान

हम अच्छे लोग हैं...

कराची, एजेंसी। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 की मेज़बानी पाकिस्तान के पास है, लेकिन टीम इंडिया टूर्नामेंट के लिए पाकिस्तान का दौरा करने के लिए किसी भी कीमत पर राज़ी होती नहीं दिख रही है. चैंपियंस ट्रॉफी को लेकर लगातार बयानबाजी भी देखने को मिल रही है. तमाम पाकिस्तानी क्रिकेटर्स अपनी-अपनी राय रख चुके हैं.

कोई कह चुका है कि भारत के बगैर की चैंपियंस ट्रॉफी खेले लेंगे. लेकिन अब चैंपियंस ट्रॉफी को लेकर शोएब मलिक ने बड़ा ही अनोखा बयान दिया है. मलिक ने भारतीय टीम से पाकिस्तान आने की दरख्वास्त की है. मलिक ने टीम इंडिया से चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान आने का अनुरोध करते हुए कहा कि हम बहुत अच्छे लोग हैं.

पाकिस्तान क्रिकेट से बात करते हुए शोएब मलिक ने कहा, देशों के बीच जो भी आपत्तियां हैं, वह अलग मुद्दा है और उसे अलग से हल किया जाना चाहिए. राजनीति खेल के अंदर नहीं आनी चाहिए. पिछले साल पाकिस्तान की टीम भारत गई थी और अब टीम इंडिया के लिए अच्छा मौका है. मुझे लगता है कि टीम में कई ऐसे खिलाड़ी है जिन्होंने पाकिस्तान में नहीं खेला है, इसलिए यह उनके लिए अच्छा होगा. हम बहुत अच्छे लोग हैं. मुझे यकीन है कि इंडिया टीम को ज़रूर आना चाहिए.

पाकिस्तान नहीं जाएगी टीम इंडिया?

अगर मीडिया रिपोर्ट्स की मानी जाए तो यही पता चलता है कि टीम इंडिया पाकिस्तान जाने के लिए कोई दिलचस्पी नहीं दिख रहा है. कुछ रिपोर्ट में तो यह भी बताया गया था कि अब पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने भी हाथ खड़े कर दिए हैं. पीसीबी ने इस बात को आईसीसी पर छोड़ दिया कि भारतीय टीम टूर्नामेंट के लिए पाकिस्तान आए.

2023 के एशिया कप में भी पाकिस्तान नहीं गई थी टीम इंडिया: गौरतलब है कि 2023 में हुए एशिया कप की मेज़बानी भी पाकिस्तान के पास थी, लेकिन टीम इंडिया ने टूर्नामेंट के लिए पाकिस्तान का दौरा नहीं किया था. एशिया कप में भारतीय टीम ने अपने मुकाबले हाइब्रिड मॉडल के तहत श्रीलंका में खेले थे. अब देखना दिलचस्प होगा कि चैंपियंस ट्रॉफी पर क्या नतीजा निकलता है.

15 और 16 अगस्त 2024 को होगी प्रो कबड्डी लीग सीजन 11 की नीलामी, आक्शन में इन खिलाड़ियों पर हो सकती है पैसे की बरसात

नईदिल्ली, एजेंसी। मशाल स्पोर्ट्स के मुताबिक प्रो कबड्डी लीग के नए सीजन के लिए खिलाड़ियों की नीलामी 15 और 16 अगस्त 2024 में होगी. प्रो कबड्डी लीग का 10 साल का सफर काफी शानदार रहा है. लीग की शुरुआत 10 साल पहले मुंबई में यू मुंबा और जयपुर पिंक पैंथर्स टीमों के बीच खेला गया था. वही पिछले सीजन का आयोजन 2 दिसंबर 2023 से शुरु होकर 1 मार्च 2024 तक चला था. जिसमें पुनेरी पल्टन और हरियाणा स्टीलर्स के बीच फाइनल खेला गया था. प्रो कबड्डी लीग सीजन 10 की विजेता पुनेरी पल्टन रही थी. इसके साथ ही प्रो कबड्डी लीग 10 सीजन पूरे करने वाली भारत की दूसरी लीग बन गई है. प्रो कबड्डी लीग के कमिश्नर अनुपम गोस्वामी ने कहा की हमें ये बताने में खुशी हो रही है की प्रो कबड्डी लीग सीजन 11 के लिए

खिलाड़ियों की नीलामी इस साल स्वतंत्रता दिवस के मौके पर होगी. कबड्डी काफी लंबे समय से भारत का लोकप्रिय और अनूठा खेल रहा है. भारत में लगातार प्रो कबड्डी लीग की लोकप्रियता में इजाफा देखने को मिला है. वही इस लीग की वजह से भारतीय कबड्डी टीम में भी कई युवा खिलाड़ियों जलवा देखने को मिल रहा है. प्रो कबड्डी के आयोजन से कबड्डी खेलने वाले खिलाड़ियों के पैसे के साथ ही फेमस होने का भी एक बड़ा साधन बन गया है.

पिछले बार के प्रो कबड्डी लीग के नीलामी में रेडर पवन सहरावत सबसे मंहगे खिलाड़ी बिके थे. पवन को तेलगु टाइंटस की टीम ने 2.61 करोड़ में खरीदा था.उनके अलावा मोहम्मदरेजा शादलू को 2.35 करोड़ में पुनेरी पल्टन ने खरीदा था. इस बार पवन सहरावत का रिकॉर्ड भी टूट सकता है.

बेहतरीन फिल्म की झलक देता है फिर आई हसीन दिलरुबा का ट्रेलर

ता पसी पन्नू, विक्रांत मैसी और सनी कौशल की रोमांटिक थ्रिलर फिल्म 'फिर आई हसीन दिलरुबा' लंबे समय से सुर्खियां बटोर रही है। इसके पहले पार्ट ने सबका दिल जीत लिया था और तब से ही फैंस दूसरे पार्ट का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। गुरुवार (25 जुलाई) को फिल्म का ट्रेलर रिलीज कर दिया गया, जो प्यार, धोखा और मर्डर मिस्ट्री से लैस है। तापसी एक बार फिर हत्या के रहस्य को मिटाने के लिए तैयार है।

'फिर आई हसीन दिलरुबा' सिनेमाघरों के बजाय ओटीटी प्लेटफॉर्म पर स्ट्रीम होगी। इसे 9 अगस्त को नेटफ्लिक्स पर रिलीज किया जाएगा। यह साल 2021 में आई फिल्म का सीक्वल है। इसके डायरेक्टर जयप्रद देसाई हैं। ट्रेलर शुरू से ही आपको कनेक्ट कर लेगा। फैंस तापसी के बोल्ड अंदाज, विक्रांत के मर्डरर रोल और सनी को भोलेभाले इंसान के रूप में पसंद कर रहे हैं। ट्रेलर में तापसी और विक्रांत का प्यार दिख रहा है।

इसमें फिर सनी की एंट्री होती है। इसके बाद शुरू होता है एक खूनी खेल और जिसका पता लगाने के लिए एक्टर जिमी शेरगिल, तापसी से अपने भतीजे की मौत के बारे में पूछताछ करते हैं। फिल्म के निर्माता भूषण कुमार, हिमांशु शर्मा, कृष्ण कुमार, शिव चन्ना और आनंद एल राय हैं। गौरतलब है कि 'मनमर्जियां' और 'हसीन दिलरुबा' की सुपर सफलता के बाद कलर येलो प्रोडक्शंस, तापसी पन्नू, सह-निर्माता और लेखिका कनिका ढिल्लों के बीच तीसरा सहयोग है।

राणा नायडू में मुख्य किरदार निभाएंगे अर्जुन रामपाल

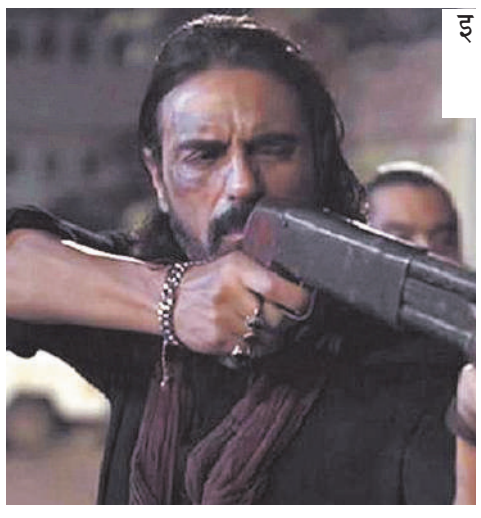

इस साल सबसे ज्यादा चर्चा में रहने वाली एक्ट्रेस शर्मिन सहगल ने संजय लीला भंसाली की फिल्म हीरामंडी-द डायमंड बाज़ार से अपना ओटीटी डेब्यू किया। उन्हें अपने इंटरव्यू के लिए ट्रोलिंग और आलोचना का सामना करना पड़ा, जहाँ लोगों ने जानबूझकर उनकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुँचाने के लिए उन्हें निशाना बनाया और गलत बाते कही। बहुत ट्रोलिंग और आलोचना का सामना करने के बावजूद, शर्मिन सहगल के ओटीटी डेब्यू ने उनके आलोचकों को चुप कराने के साथ ही उनके करियर को बढ़ावा दिया है। संजय लीला भंसाली की मच अवेटेड सीरीज़ ने आलमज़ेब के शानदार किरदार के रूप में उनकी वापसी कराई है, जो उनके लिए किसी गेमचेंजर से कम नहीं है।

आज के एंग्री यंगमैन की धारणा पर क्या बोले जावेद अख्तर

जावेद अख्तर अपने बयानों को लेकर सुर्खियों में रहते हैं और अब एक बार फिर उन्होंने कुछ ऐसा कह दिया है, जिसके चलते उनकी चर्चा शुरू हो गई है। मशहूर पटकथा लेखक ने 2023 में रिलीज हुई एक ब्लॉकबस्टर फिल्म पर अपने विचार साझा किये हैं। जावेद अख्तर ने भारतीय सिनेमा के आज के एंग्री यंग मैन के किरदारों पर विचार करते हुए कहा कि अब फिल्मों का हीरो एक कैरिकेचर में बदल रहा है। वह वो आदमी बन चुका है जो चाहता है कि एक महिला उसके जूते चाटे। जावेद अख्तर ने ये सब संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म एनिमल पर कटाक्ष करते हुए कही, जिसमें रणबीर कपूर ने लीड रोल निभाया है।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली में निर्माणाधीन अस्पताल के बेसमेंट की दीवार गिरी

नईदिल्ली, एजेंसी। नई दिल्ली के सेक्टर 12 द्वारका में गुरुवार रात एक निजी अस्पताल की निर्माणाधीन इमारत के बेसमेंट की दीवार गिरने से एक महिला की मौत हो गई और 8 अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान देवी के रूप में हुई है, जिसकी उम्र लगभग 30 साल थी। इस बारे में दिल्ली पुलिस ने कहा कि घटनास्थल का निरीक्षण करने के लिए क्राइम टीम को सूचित किया गया है और मामला दर्ज किया जा रहा है। इस बारे में जानकारी देते हुए एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया, गश्त के दौरान द्वारका उत्तर पुलिस स्टेशन के कर्मचारियों ने सेक्टर 12 में पेट्रोल पंप के पास एक निजी अस्पताल की निर्माणाधीन इमारत/बेसमेंट के पास लोगों को इकट्ठा होते देखा। पता चला कि निर्माणाधीन बेसमेंट की दीवार गिर गई थी और कुछ लोग फंस गए थे। अधिकारी ने बताया, कुल नौ घायलों को दो अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया था, जिनमें से देवी नाम की एक महिला को आइजीआइ अस्पताल में मृत घोषित कर दिया गया।

25 मुख्य सड़कों की बदलेगी सूरत, शहर के दर्जनों सेक्टरों की राह होगी आसान

नईदिल्ली, एजेंसी। गुरुग्राम शहर में जल्द ही 25 मुख्य सड़कों की सूरत बदलने जा रही है। इन सड़कों की मरम्मत पर 83 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण (जीएमडीए) ने इस योजना के तहत इन सड़कों को तीन हिस्सों में विभाजित करके टेंडर आमंत्रित किए थे। प्रत्येक टेंडर की एवज में 10-10 कंपनियों ने आवेदन किया है। अब इन कंपनियों की तकनीकी और वित्तीय कागजात की जांच की जा रही है। इसके पश्चात किसी एक कंपनी को टेंडर आवंटित कर दिया जाएगा। इन्हें नौ महीने के अंदर इन सड़कों की मरम्मत करनी होगी। जीएमडीए ने सेक्टर-90/93, 92/95, 91/92, 92/95 ओपन स्पेस, सेक्टर-91 की बाहरी सड़क की मरम्मत 29.77 करोड़ रुपये से होगी। जीएमडीए ने 14 जून को इसके तहत टेंडर आमंत्रित किए थे। 8 जुलाई को इस टेंडर को खोला गया। 10 कंपनियों ने आवेदन किया है। इन कंपनियों के आवेदन की जांच की जा रही है। इसके बाद किसी एक कंपनी को यह टेंडर आवंटित किया जाएगा। इस तरह 24.81 करोड़ रुपये से सेक्टर-81-81ए से 86/87, सेक्टर-90/91, 82/85 से 83/84, सेक्टर-87 के ओपन स्पेज से 81/86 की मुख्य सड़क की मरम्मत की जाएगी। पुराने गुरुग्राम में महावीर चौक से लेकर अतुल कटारिया चौक, सेक्टर-23/23ए, 18/19, सेक्टर-15 के पार्ट एक और दो, न्यू रेलवे रोड, ओल्ड रेलवे रोड, सिविल लाइंस रोड, सेक्टर-9/9ए, कृष्णा चौक से रेजांगला चौक, सेक्टर-पांच/छह, सेक्टर-22/23, सेक्टर-सात/आठ, सेक्टर-21/22 की मुख्य सड़क की मरम्मत की जाएगी। इसके ऊपर करीब 28.72 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। बची सड़कों की मरम्मत के लिए भी जीएमडीए ने योजना बनाई है। सेक्टर-24 से लेकर 80 तक सड़कों की मरम्मत पर करीब 3.37 करोड़ रुपये का खर्चा आएगा। इनकी मरम्मत को लेकर एक कंपनी का चयन किया जाएगा। जीएमडीए के मुख्य अभियंता अरुण धनखड़ ने कहा, गुरुग्राम शहर की 25 सड़कों की मरम्मत को लेकर तीन टेंडर आमंत्रित किए हैं। 10-10 कंपनियों ने हिस्सा लिया है।

अरविंद केजरीवाल को अदालत से एक और राहत, स्पेशल वाली बात कह हाईकोर्ट ने पूरी कर दी डिमांड

नईदिल्ली, एजेंसी। कथित शराब घोटाले में लगे आरोपों की वजह से जेल में बंद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के लिए हाई कोर्ट से एक राहत भरी खबर है। हाई कोर्ट ने वकीलों से मीटिंग बढ़ाने की उनकी डिमांड मान ली है। कोर्ट की मंजूरी के बाद वह जेल में वकीलों से हर सप्ताह दो अतिरिक्त मुलाकातें कर पाएंगे। केजरीवाल को 21 मार्च को शराब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में गिरफ्तार किया गया था। उन्हें ईडी केस में सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिल चुकी है। लेकिन अब सीबीआई केस की वजह से जेल में बंद हैं।

जस्टिस नीना बंसल कृष्णा की बेंच ने यह कहते हुए दिल्ली के मुख्यमंत्री की मांग मान ली कि, विशेष परिस्थितियों में विशेष उपाय की आवश्यकता होती है। जज ने आगे कहा कि निष्पक्ष ट्रायल के मूलभूत अधिकार और प्रभावी कानूनी प्रतिनिधित्व को मान्यता देते हुए याचिकाकर्ता को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए वकीलों से दो अतिरिक्त मुलाकातों की इजाजत दी जाती है। कोर्ट ने यह भी कहा कि केजरीवाल जब तक जेल में बंद हैं उन्हें यह सुविधा मिलती रहेगी।

हाई कोर्ट ने 18 जुलाई को इस मामले में सुनवाई पूरी करके फैसला सुरक्षित रख लिया था। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और

तिहाड़ जेल के अधिकारियों ने केजरीवाल की मांग का विरोध करते हुए कहा था कि कानून सभी के लिए समान है। केजरीवाल के वकील ने कहा था कि आम आदमी पार्टी के मुखिया देशभर में लगभग 35 मुकदमों का सामना कर रहे हैं। निष्पक्ष सुनवाई के लिए उन्हें इन मामलों पर चर्चा के लिए वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए अपने वकीलों के साथ दो अतिरिक्त मुलाकातों की जरूरत है।

केजरीवाल की याचिका का विरोध करते हुए तिहाड़ जेल के अधिकारियों ने दलील दी कि ऐसे कई कैदी हैं जिनके खिलाफ 100 मामले लंबित हैं और उन्हें अपने वकीलों से केवल दो बार मुलाकात की अनुमति है। ईडी ने आरोप लगाया कि केजरीवाल वकीलों के साथ अपनी बैठकों का इस्तेमाल दिल्ली सरकार के मंत्रियों को निर्देश भेजने के लिए कर रहे थे। केजरीवाल की याचिका का विरोध करते ईडी के वकील ने कहा कि इसी तरह का आवेदन एक जनहित याचिका में उच्च न्यायालय की खंडपीठ के सामने किया गया था, लेकिन आवेदन को खारिज कर दिया गया था। वकील ने कहा कि दिल्ली जेल के नियम देश के अन्य हिस्सों की तुलना में कहीं अधिक उदार हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली की जेलों में सभी कैदियों के साथ समान व्यवहार किया जाता है और सभी को सप्ताह में दो बार अपने वकीलों से मिलने का मौका मिलता है। दलीलों का विरोध करते हुए केजरीवाल के वकील ने कहा कि ईडी को इस मामले में कुछ नहीं कहना चाहिए क्योंकि वह न्यायिक हिरासत में हैं और जेल अधिकारी मामले में मुख्य पक्षकार हैं। दिल्ली हाई कोर्ट ने गुरुवार को दिल्ली के पूर्व मंत्री सत्येंद्र कुमार जैन की उस याचिका पर ईडी से जवाब मांगा, जिसमें मनी लॉन्ड्रिंग मामले में उनके और अन्य के खिलाफ निचली अदालत द्वारा आरोप पत्र पर संज्ञान लेने के आदेश को चुनौती दी गई है। न्यायमूर्ति नीना बंसल कृष्णा ने जैन की याचिका पर ईडी को नोटिस जारी किया और 15 दिनों के भीतर स्थिति रिपोर्ट दाखिल करने को कहा। अदालत ने मामले को 22 अगस्त को आगे की सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया है। जैन ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी की चार्जशीट पर संज्ञान लेने के ट्रायल कोर्ट के 29 जुलाई 2022 के आदेश को रद्द करने की मांग की है। उन्होंने मामले में उन्हें जारी किए गए समन और उसके बाद उन्हें न्यायिक हिरासत में भेजने के आदेशों को भी चुनौती दी है। साथ ही जेल से रिहाई की मांग की है। वहीं, ईडी ने जैन की याचिका का विरोध करते हुए कहा कि निचली अदालत का संज्ञान आदेश जुलाई 2022 में पारित किया गया था और आप नेता ने अब इसे चुनौती दी है। ईडी ने सत्येंद्र जैन के अलावा उनकी पत्नी पूनम जैन, वैभव जैन, अंकुश जैन, अजीत प्रसाद जैन और सुनील जैन के खिलाफ भी आरोप पत्र दाखिल किया था।

जेल का बजट बढ़ा दो, अगला नंबर तुम्हारा है; संसद में बीजेपी पर बरसे संजय सिंह

नईदिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने गुरुवार को भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर रक्षा, कृषि, स्वास्थ्य और ऊर्जा के साथ ही जेल के बजट में भी कटौती करने का आरोप लगाया। उन्होंने सरकार से कहा कि वह कम से कम जेल का तो बजट बढ़ा दे क्योंकि जेल जाने के लिए अगला नंबर सत्ता पक्ष के लोगों का आने वाला है। उनकी इस बात पर सभापति धनखड़ ने कहा कि यह बहुत ही मार्मिक अपील है। संजय सिंह ने यह बात राज्यसभा में आम बजट 2024-25 पर चर्चा में भाग लेते हुए कही। उन्होंने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल सहित विपक्ष के अन्य नेताओं को पकड़कर जेल में डालने का दावा करते हुए आरोप लगाया कि सरकार का मकसद ऐसे मामलों में न्याय दिलाना नहीं है।क्कसांसद ने कहा वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की ओर से पेश किए बजट को सत्ताधारी दल के लोग क्रांतिक्रारी कह रहे हैं और ढोल पीटकर इसे विकसित भारत का बजट बता रहे हैं। लेकिन सच्चाई यह है कि सरकार ने रक्षा बजट तक में कटौती करने का काम किया गया। इसे 9.6 प्रतिशत से घटाकर 9.43 प्रतिशत कर दिया गया है। सिंह ने कहा कि कृषि, स्वास्थ्य, परिवहन, पेंशन और ऊर्जा क्षेत्र के साथ ही वैज्ञानिक विभाग और जेल का भी बजट कम कर दिया गया है। इसी दौरान उन्होंने कहा, जेल का बजट तो बढ़ा दीजिए। 300 करोड़ रु है जेल का बजट। अभी हमको जेल में भेजा है, कल तुमको जेल में आना है। तुम सबको जेल में आना है। जेल का बजट बढ़ा दो, जेलों को ठीक कर दो। अगला नंबर तुम्हारा है। तुम्हें जेल में आना है, इसलिए कम से कम जेलों को तो ठीक कर दो। उस वक्त आसन पर मौजूद सभापति जगदीप धनखड़ ने सदन के नेता जेपी नड्डा से कहा, सदन के नेताजी से मैं अनुरोध करूंगा कि यह बहुत मार्मिक अपील है जेल का बजट बढ़ाने के लिए, और इस पर आप गौर फरमाइए क्योंकि इसके पीछे एक पृष्ठभूमि भी है।

तुम मंदिर से बिजली चोरी करते हो; दिल्ली में चाकू से गोदकर मार डाला गया शख्स

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के त्रिलोकपुरी में चाकू से गोदकर एक व्यक्ति की हत्या कर दी गई, जबकि दो घायल हैं। मंदिर से बिजली चोरी का आरोप लगाने को लेकर विवाद शुरू हुआ था। बाद में चाकूबाजी के दौरान एक की मौत हो गई। त्रिलोकपुर के 20 ब्लॉक से गुरुवार को पुलिस को पीसीआर पर चाकूबाजी की सूचना मिली। मौके पर पुलिसकर्मी पहुंचे तो पता चला कि घायलों को एलबीएस अस्पताल ले जाया गया है। गंभीर रूप से घायल विकास को सफदरजंग अस्पताल ले जाया गया। छाती में चाकू लगने की वजह से उसकी स्थिति बेहद नाजुक थी। रात में अस्पताल में इलाज के दौरान विकास की मौत हो गई। सुरेंद्र के परिवार ने महेश के परिवार पर मंदिर में इलेक्ट्रिक स्कूटी चार्ज (बिजली चोरी) करने का आरोप लगाया था। जिसको लेकर विवाद शुरू हुआ। बहस के बाद दोनों पक्ष आपस में भिड़ गए। बताया जा रहा है कि सुरेंद्र के घर के लोगों ने चाकूओं के साथ हमला कर दिया। 60 वर्षीय महेश के चेहरे पर जख्म हैं जबकि उनके बेटे विकास (31) की छाती के निचले हिस्से में चाकू लगी। विकास के 33 वर्षीय अभय भी जख्मी है। आरोपी सुरेंद्र (51) उसका 18 साल का बेटा प्रेम और एक नाबालिग है। पुलिस ने बताया कि बीएनएस की धारा 109(1)/115(2)/118(1)(3)(5) के तहत केस दर्ज किया गया है। विकास की मौत के बाद बीएनएस की धारा 103(1) जोड़ दी गई है। पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और मामले की जांच की जा रही है।

दिल्ली विधानसभा चुनाव में किसानों को साधने के लिए भाजपा का ग्राम परिक्रमा वाला सुपर प्लान, 23 सीटों पर दिखेगा

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में आगामी विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा ने कमर कस ली है। दिल्ली देहात की 23 विधानसभा सीटों पर किसान मोर्चा ग्राम परिक्रमा अभियान शुरू करेगा। इसके तहत बूथ स्तर पर घर-घर जनसंपर्क कर केंद्र सरकार की योजनाएं बताई जाएंगी। दिल्ली में विधानसभा चुनावों से पहले भाजपा अपनी कमजोर सीटों को मजबूत करने में जुट गई है। गुरुवार को किसान मोर्चा की प्रदेश कार्यकारिणी में यह फैसला लिया। अलीपुर पर आयोजित किसान मोर्चा की कार्यकारिणी बैठक में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेनवा ने कहा कि 1961 से किसानों की जमीन के अधिग्रहण के बदले वैकल्पिक प्लॉट व दुकान देने की पॉलिसी है, लेकिन 2016 में आम आदमी पार्टी (आप) सरकार ने किसानों के वैकल्पिक प्लॉट के आवंटन के आदेश निरस्त कर दिए। इस फैसले से राजधानी में 16,500 किसानों को प्लॉट नहीं मिले। दिल्ली में ऐसी सरकार है,जो किसानों को किसान होने का दर्जा तक नहीं देती। यहां के

किसान ट्रैक्टर और दूसरे कृषि उपकरण खरीदने पर कर देते हैं। भाजपा सांसद योगेंद्र चंदोलिया ने कहा कि आप सरकार के चलते पूरी दिल्ली के साथ दिल्ली देहात में विकास कार्य ठप हो गए हैं। जनता इस सरकार से मुक्ति चाहती है। दिल्ली में किसान अपने ही अधिकारों के लिए राज्य सरकार से लड़ रहे हैं, लेकिन दिल्ली सरकार दिल्ली देहात के साथ सौतेला व्यवहार कर रही है। केंद्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा ने भी कार्यकारिणी की बैठक को संबोधित किया और भाजपा के इतिहास पर विस्तार पूर्वक प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि प्रत्येक ग्राम में जाएं और केंद्र सरकार की योजनाओं समेत उपलब्धियों के बारे में बताएं। परेशान लोगों की हरसंभव मदद की जाए। वहीं, दिल्ली भाजपा ने गुरुवार को यमुना के मामले पर भी दिल्ली सरकार को घेरा। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि यमुना में बड़ी मात्रा में विषाक्त झाग बनने के लिए दिल्ली सरकार जिम्मेदार है। यह पहली बार है जब मॉनसून में भी इस तरह के विषाक्त झाग यमुना में बन रहे हैं। झाग का बनना संकेत देता है कि बड़ी मात्रा में अपशिष्ट जल, बिना ट्रीटमेंट सीवेज और उद्योगों से निकलने वाले प्रदूषक यमुना में बिना किसी रोक-टोक के गिर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि 36 एसटीपी में से 24 से अधिक निर्धारित मापदंडों से बहुत नीचे काम कर रहे हैं, लेकिन इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

जयशंकर ने चीनी विदेश मंत्री वांग यी से की मुलाकात

बीजिंग, एजेंसी। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने अपने चीनी समकक्ष वांग यी से मुलाकात की और बीजिंग के साथ द्विपक्षीय संबंधों में ''स्थायित्व लाने और ''पुनर्बहाली के लिए वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) तथा पिछले समझौतों का ''पूर्ण सम्मान सुनिश्चित किए जाने की आवश्यकता पर बल दिया। यह जयशंकर और वांग की इस महीने दूसरी मुलाकात थी। दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के संगठन (आसियान) की बैठकों में भाग लेने के लिए लाओस की राजधानी में मौजूद दोनों नेताओं ने मई 2020 में पूर्वी लद्दाख में सैन्य गतिरोध के बाद सैनिकों की वापसी की प्रक्रिया को पूरा करने के लिए मजबूत मार्गदर्शन देने की आवश्यकता पर भी सहमति व्यक्त की। जयशंकर ने यहां आसियान विदेश मंत्रियों की बैठक के दौरान वांग से मुलाकात के बाद सोशल मीडिया मंच 'एक्स पर पोस्ट किया, ''सीपीसी (कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ चाइना) पोलित ब्यूरो सदस्य और (चीन के) विदेश मंत्री वांग यी से आज वियनतियान में मुलाकात की। हमारे द्विपक्षीय संबंधों को लेकर चर्चा जारी रही। सीमा की स्थिति निश्चित रूप से हमारे संबंधों की स्थिति पर प्रतिबिंबित होगी। भारत का कहना है कि जब तक सीमा क्षेत्रों में शांति नहीं होगी, चीन के साथ उसके संबंध सामान्य नहीं हो सकते। जयशंकर और वांग के बीच वार्ता पूर्वी लद्दाख में सीमा विवाद जारी रहने के बीच हुई जो मई में अपने पांचवें वर्ष में प्रवेश कर गया। उन्होंने कहा, ''वापसी प्रक्रिया को पूरा करने के लिए मार्गदर्शन दिए जाने की आवश्यकता पर सहमति बनी। एलएसी और पिछले समझौतों का पूरा सम्मान सुनिश्चित किया जाना चाहिए। हमारे संबंधों को स्थिर करना हमारे आपसी हित में है। हमें वर्तमान मुद्दों पर उद्देश्य और तत्परता की भावना का रुख रखना चाहिए। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि बैठक ने दोनों मंत्रियों को चार जुलाई को अस्ताना में अपनी पिछली बैठक के बाद से स्थिति की समीक्षा करने का अवसर दिया। मंत्रालय ने कहा, ''उनकी बातचीत द्विपक्षीय संबंधों में स्थायित्व लाने और पुनर्बहाली के लिए वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) से संबंधित शेष मुद्दों का शीघ्र समाधान खोजने पर केंद्रित थी। इसने कहा, ''दोनों मंत्री जल्द से जल्द सैनिकों की पूर्ण वापसी के लिए उद्देश्य और तत्परता के साथ काम करने की आवश्यकता पर सहमत हुए। सीमाओं पर शांति तथा एलएसी के प्रति सम्मान द्विपक्षीय संबंधों में सामान्य स्थिति के लिए आवश्यक है। विदेश मंत्रालय ने कहा, ''दोनों पक्षों को अतीत में दोनों सरकारों के बीच हुए प्रासंगिक द्विपक्षीय समझौतों, प्रोटोकॉल और समझ का पूरी तरह से पालन करना चाहिए। विदेश मंत्री ने हमारे संबंधों के लिए तीन परस्पर महत्वों-आपसी सम्मान, आपसी हित और आपसी संवेदनशीलता पर जोर दिया। बयान में कहा गया है कि दोनों पक्ष चर्चा को आगे बढ़ाने के लिए भारत-चीन सीमा मामलों पर परामर्श और समन्वय तंत्र (डब्ल्यूएमसीसी) की जल्द ही बैठक करेंगे।

बाइडेन और हैरिस से मिले नेतन्याहू, गाजा में जारी युद्ध पर की चर्चा

वाशिंगटन, एजेंसी। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बृहस्पतिवार को व्हाइट हाउस में राष्ट्रपति जो बाइडेन और उपराष्ट्रपति कमला हैरिस से मुलाकात कर गाजा में जारी युद्ध पर चर्चा की। साल 2020 के बाद नेतन्याहू पहली बार व्हाइट हाउस गए। पिछली बार जब वह व्हाइट हाउस गए थे, तब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप थे। यह मुलाकात ऐसे समय में हुई है जब गाजा में नौ महीने से जारी युद्ध को खत्म करने के लिए दबाव बढ़ रहा है। दर्जनों इजराइली बंधक अब भी हमास के कब्जे में हैं और गाजा में 39 हजार से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। दक्षिणपंथी कही जाने वाली लिकुड पार्टी के नेता नेतन्याहू और मध्यमार्गी विचारधारा वाली डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता बाइडेन के रिश्तों में हालिया कुछ वर्षों में उतार-चढ़ाव देखे गए हैं। हैरिस बाद में नेतन्याहू से अलग से मुलाकात करेंगी। नेतन्याहू और हैरिस के बीच आखिरी बार 2021 में आमने-सामने बातचीत हुई थी, लेकिन वह बाइडन और नेतन्याहू के बीच 20 से बार बातचीत में

शामिल रही थीं। बाइडेन इजराइल और हमास के बीच संघर्षविराम होने और गाजा में बंधक बनाए गए बंधकों को तीन चरण में रिहा कराने के समझौते के लिए दबाव डाल रहे हैं। व्हाइट हाउस के अधिकारियों ने बताया कि वार्ता अंतिम चरण में है और कुछ मुद्दे बचे हैं जिनका समाधान किया जाना है। नेतन्याहू बाइडेन से मुलाकात करने के बाद हमास द्वारा बंधक बनाए गए अमेरिकियों के परिवारों से मुलाकात करेंगे।

मस्क की ट्रांसजेंडर बेटी बोलीं- मेरे पिता क्रूर हैं उनसे कोई रिश्ता नहीं रखना चाहती

अमेरिकी, एजेंसी। टेस्ला के CEO इलॉन मस्क की ट्रांसजेंडर बेटी विवियन जेना विल्सन ने अपना जेंडर बदलवाने के बाद पहला इंटरव्यू दिया है। अमेरिकी मीडिया NBC न्यूज से बात करते हुए विवियन ने मस्क को निर्दयी और क्रूर बताया है। दरअसल, कुछ दिन पहले मस्क ने एक इंटरव्यू में कहा था कि जेंडर बदलवाने की सर्जरी ने उनसे उनके बेटे को अलग कर दिया था। इस पर जवाब देते हुए मस्क की 20 साल की बेटी विवियन बोली, मस्क ने कहा था कि मैं एक लड़की नहीं हूं। मैं उनके लिए मर चुकी हूं। यह कहकर उन्होंने हद पार कर दी। अगर वे लाखों लोगों के सामने झूठ बोलेंगे तो मैं इसे बर्दाश्त नहीं करूंगी। दरअसल, एलन मस्क के बेटे जेवियर ने साल 2022 में 18 साल की उम्र पार करने के बाद अपना जेंडर बदलवाया था। इसके बाद जेवियर ने अपना नाम बदलकर विवियन जेना विल्सन करवाया था।

मस्क ने कभी साथ नहीं दिया, हमें मां के पास छोड़ा : अपने बचपन को याद करते हुए विवियन ने कहा, मस्क कभी भी एक अच्छे पिता नहीं रहे। उन्होंने कभी हमारा साथ नहीं दिया। मुझे और मेरे भाई-बहनों को मां के पास छोड़ दिया था। वे जब भी मिलते थे तो हमसे बुरा व्यवहार करते थे। हमेशा चिल्लाते रहते थे। वे लापरवाह थे। उनका ध्यान सिर्फ खुद पर रहता था।

विवियन ने बताया कि वह बचपन से ही एक लड़की जैसा महसूस करती थीं। इस पर मस्क ने उन्हें कई बार प्रताड़ित भी किया था। मस्क उसे बार-बार लड़कों की तरह रहने का दबाव डालते थे। विवियन ने कहा, जब मैं चौथी कक्षा में थी तब हम रोड ट्रिप पर गए थे। लेकिन बाद में पता चला कि वो मस्क की कार का एडवरटाइजमेंट था। वह पूरे समय हम पर चुप रहने के लिए चिल्ला रहे थे।

मस्क ने कहा था- जेंडर बदलवाने की

सर्जरी ने बेटे को मुझसे दूर किया : मस्क की बेटी ने इंटरव्यू में कहा कि वे अपने पिता से कोई संपर्क नहीं रखना चाहती हैं। वे 20 साल की हैं और अपने फैसले खुद ले सकती हैं। दरअसल, इलॉन मस्क ने अमेरिकी कमेंटेटर जॉर्डन पीटरसन को दिए एक इंटरव्यू में कहा था कि जेंडर बदलने की सर्जरी असल में बच्चे की हत्या और नसबंदी करने जैसा है। यह एक वायरस है। मस्क ने बताया था कि कोविड-19 महामारी के दौरान उनसे धोखे से बेटे का जेंडर बदलवाने से जुड़े दस्तावेज साइन करवाए गए थे। उन्हें कहा गया था कि उनका बेटा आत्महत्या कर सकता है। BBC के मुताबिक, इलॉन ने पिछले साल कहा था कि वे ट्रांसजेंडर मेडिकल ट्रीटमेंट को अपराध घोषित करने के लिए लड़ाई लड़ेंगे।

विवियन ने सर्जरी के बाद पिता का नाम छोड़ा : 2022 में सर्जरी के बाद विवियन ने कहा था कि वे अपने पिता इलॉन मस्क से कोई रिश्ता नहीं रखना चाहती हैं। विवियन ने अपने नाम से मस्क हटाकर मां का सरनेम लगाया था। लड़के से लड़की बनने की अर्जी देने के एक महीने के बाद ही मस्क ने रिपब्लिकन पार्टी को अपना समर्थन दिया था। माना गया था कि इस समर्थन की वजह अमेरिका में ट्रांसजेंडर के अधिकारों को सीमित करने को सपोर्ट करना है। विवियन की मां जस्टिन विल्सन कनाडाई लेखिका हैं। साल 2000 में क्वींस कॉलेज में पढ़ाई के दौरान उनकी मस्क से मुलाकात हुई थी। इलॉन मस्क पिछले महीने ही 12वें बच्चे के पिता बने थे। ये बच्चा उनकी पार्टनर और न्यूरालिंक की मैनेजर शिवॉन जिलिसल से हुआ। मस्क का मानना है कि दुनिया इस समय कम जनसंख्या के संकट का सामना कर रही है और अच्छे वाले लोगों को बच्चे पैदा करने चाहिए।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रकः- देवेन्द्र मालवीय द्वारा श्री सिंध्दी विनायक प्रिंटर्स 26 बी देशबंधु परिसर प्रेस काम्प्लेक्स झोन 1 एम पी नगर भोपाल म.प्र. से मुद्रित एवं 773 / 19 मेघदूत नगर इंदौर म.प्र. से प्रकाशित सम्पादक डॉ. देवेन्द्र मालवीय

कार्यालय पताः-एच. 21 अंकित अपार्टमेंट ब्रजेश्वरी एनएक्स, इंदौर मध्यप्रदेश मोः- 98276-22204 सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र इंदौर रहेगा।

दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त सूचनाए, विचार,आलेख विभिन्न समाचार के स्त्रोत एवं संकलन लेखकों के व संकलनकर्ता के स्वंय जिनका संकलन विभिन्न एजेंसियों, के माध्यम से किया गया है, अतः समस्त प्रकार के प्रकाशन हेतु संपादक, प्रकाशक, मुद्रक का प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सहमत होना अनिवार्य नही है।